● वर्ष-3
● अंक-237
रायपुर, मंगलवार
14 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› प्लास्टिक के बर्तन में नहीं बल्कि....

वाराणसी में मोदी का भव्य रोड शो

आज नामांकन दाखिल करेंगे

वाराणसी। पूरे भारत में चौथे चरण के मतदान के बीच, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में एक रोड शो किया, जहां से वह लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वह मंगलवार (14 मई) को उत्तर प्रदेश की सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। एक्स से बात करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि लोगों की अविश्वसनीय गर्मजोशी और स्नेह के कारण काशी विशेष है। प्रधान मंत्री मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं, जहां 1 जून को सातवें और अंतिम चरण में मतदान होगा। अपने रोड शो से पहले उन्होंने हिंदू महासभा के संस्थापक मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। रोड शो लंका स्थित मालवीय चौराहे से श्री काशी विश्वनाथ धाम तक हुआ। यह संत रविदास गेट, अस्सी, शिवाला, सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया से होकर गुजरी। पूरे रास्ते भर यह श्री राम के नारे लगे। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, पीएम बीएलडब्ल्यू गेस्टहाउस में रात रुकेंगे। एक निवासी ने कहा कि इतना उत्साह है कि रात भर हम पीएम मोदी के स्वागत की योजना बनाते रहे। वाराणसी में पीएम मोदी के रोड शो पर एक स्थानीय निवासी ने कहा कि इतनी बढ़िया तैयारी पहले कभी नहीं हुई थी। लोगों का ये जनसैलाब ऐतिहासिक है और ऐसा तभी हो सकता है जब पीएम मोदी आते हैं।

प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद नरेन्द्र मोदी 14 मई को तीसरी बार वाराणसी से नामांकन करेंगे। यहां से उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है, बस देखना यह होगा कि जीत का अंतर कितना बड़ा होता है। वाराणसी लोकसभा चुनाव की खास बात जहां प्रधानमंत्री मोदी की उम्मीदवारी है तो चर्चा इस बात की भी है कि पूरे देश में घूम-घूम कर मोदी को गाली देने वाले नेताओं की फौज में क्या कोई ऐसा नेता मौजूद नहीं हैं जो वाराणसी में आकर मोदी को चुनौती दे सके।

96 सीटों पर चौथे चरण का मतदान खत्म

बंगाल में हुई बंपर वोटिंग, जम्मू-कश्मीर में सबसे कम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 96 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग खत्म हो चुकी है। सोमवार शाम 5 बजे तक 62% प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल में 75.66 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, इसके बाद मध्य प्रदेश में 68.01 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र क्रमश- 35.75 प्रतिशत और 52.49 प्रतिशत मतदान के साथ फिसड्डी रहे। अन्य राज्यों में, आंध्र प्रदेश में 68.04 प्रतिशत, बिहार में 54.14 प्रतिशत, झारखंड में 63.14 प्रतिशत, ओडिशा में 62.96 प्रतिशत, तेलंगाना में 61.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 56.35 प्रतिशत मतदान हुआ।

पश्चिम बंगाल के बोलपुर (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 77.77 प्रतिशत और उसके बाद राणाघाट (सुरक्षित) पर 77.46 प्रतिशत मतदान हुआ। बर्धमान-पूर्व में 77.36 प्रतिशत, कृष्णानगर में 77.29 प्रतिशत, बीरभूम (एससी) में 75.45 प्रतिशत बहरामपुर में 75.36 प्रतिशत, बर्धमान-दुर्गापुर में 75.02 प्रतिशत और आसनसोल में 69.43 प्रतिशत मतदान हुआ। सिंहभूम सीट पर सबसे अधिक 66.11 प्रतिशत, खूंटी सीट पर 65.82 प्रतिशत, लोहरदगा सीट पर 62.60 प्रतिशत और पलामू सीट पर 59.99 प्रतिशत मतदान हुआ। मध्य प्रदेश के देवास में 71.53 प्रतिशत, धार में 67.55 प्रतिशत, इंदौर में 56.53 प्रतिशत, खंडवा में 68.21 प्रतिशत, खरगोन में 70.80 प्रतिशत, मंदसौर में 71.76 प्रतिशत, रतलाम में 70.61 प्रतिशत और उज्जैन में 70.44 प्रतिशत मतदान हुआ।

निर्वाचन आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश में शाम पांच बजे तक अकबरपुर में 55.22 प्रतिशत, इटावा में 54.35, उन्नाव में 53.97, कन्नौज में 59.05, कानपुर में 50.91, खीरी में 62.75, धौरहरा में 62.72, फर्रुखाबाद में 56.93, बहराइच में 55.97, मिश्रिख 54.37, शाहजहांपुर में 51.52, सीतापुर में 60.90 और हरदोई में 55.73 फीसद मतदान हुआ। चौथे चरण के तहत 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। तेलंगाना के भोंगिर लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 72.34 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि हैदराबाद संसदीय क्षेत्र में सबसे कम 39.17 प्रतिशत मतदान हुआ।

पोलिंग बूथ पर माधवी लता ने महिलाओं के चेहरे से हटवाया बुर्का, केस दर्ज, बोलीं- 90 प्रतिशत...

लोकसभा चुनाव में हैदराबाद से चुनाव लड़ रही भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने सोमवार को कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के 90 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर गड़बड़ी हुई है। ऐसा तब हुआ जब वह उस समय विवादों में आ गईं जब एक मतदान केंद्र पर बुर्का पहने मुस्लिम महिलाओं की मतदाता पहचान पत्र की जांच करने का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के तुरंत बाद, चौथे चरण के मतदान के बीच, चुनाव अधिकारियों ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। उन्हें पुलिसकर्मियों से यह कहते हुए भी देखा गया कि मतदाताओं को पूरी जांच के बाद ही मतदान केंद्रों में जाने की अनुमति दी जाए। माधवी लता ने कहा कि मुझे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि इसे बाहर फेंक दिया जाए...वे दरवाज़ा नहीं खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 फीसदी बूथों पर गड़बड़ी हुई है। पुलिस महिला सिपाहियों को वोटर आईडी से चेहरा जांचने का निर्देश नहीं देना चाहती।

विपक्ष भारत को पहले जैसी स्थिति में ही रखना चाहता हैः जयशंकर

नई दिल्ली। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत जबरदस्त प्रगति की है, और जब विपक्ष सत्ता में था तो देश के विकास में देरी हुई। बुलेट ट्रेन परियोजना पर बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि वे भारत को पहले जैसी स्थिति में ही रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम बुलेट ट्रेन परियोजना के पक्ष में हैं। अब, आप जानते हैं कि बुलेट ट्रेन में देरी किसने की। यह है यह एक उदाहरण है कि कौन प्रौद्योगिकी, प्रगति और परियोजना के पक्ष में है, और कौन स्पष्ट रूप से इसके विरुद्ध है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में भारतीय पूंजी बाजार पर एक सेमिनार में बोलते हुए, जयशंकर ने भाजपा के कार्यकाल में भारत के विकास पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने इस बात पर भी विस्तार से बात की कि कैसे भाजपा अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और विकास के मामले में मेक इन इंडिया के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्षी दल कहते हैं कि इस देश में विनिर्माण नहीं हो सकता। विनिर्माण के बिना आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत में प्रौद्योगिकी कैसे विकसित होगी। वे हमें उसी स्थिति में रखना चाहते हैं. हम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के पक्ष में हैं. अब, आप जानते हैं कि बुलेट ट्रेन को किसने विलंबित किया। तो, यह एक उदाहरण है. विदेश मंत्री ने कहा कि कौन सी तकनीक, कौन सी प्रगति, कौन सी परियोजना के पक्ष में है, कौन सी इसके खिलाफ है। पीएम मोदी सरकार के तहत हुई प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए अन्य उदाहरणों का हवाला देते हुए जयशंकर ने भारत में 5जी तकनीक के विकास की ओर इशारा किया।

छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली गिरफ्तार, इनमें से 11 के सिर पर था 41 लाख

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने छह महिला नक्सलियों समेत 14 नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी और कहा कि गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में से 11 के सिर पर कुल 41 लाख रुपये का इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुतवेंडी-पीड़िया गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने छह महिला नक्सलियों समेत 14 नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत रविवार को डीआरजी बीजापुर और गंगालूर थाना के दल के गश्त के लिए रवाना किया गया था।

वापसी के दौरान सुरक्षाबलों ने पीड़िया-मुतवेंडी के मध्य जंगल में घेराबंदी कर 14 नक्सलियों का गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों में शामिल रेनु कोवासी और मंगली अवलम के सिर पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम है। अन्य नक्सली बिच्चेम उईका, शर्मिला कुरसम और लक्ष्मी ताती के सिर पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सलियों में से चार के सिर पर दो-दो लाख रुपये तथा दो के सिर पर एक-एक लाख रुपये का इनाम है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए नक्सली मिलिट्री कंपनी नंबर दो और एवं गंगालूर एरिया कमेटी के अंतर्गत सक्रिय हैं। इनसे चार टिफीन बम, दो कुकर बम, डेटोनेटर, कार्डेक्स वायर, जिलेटीन की छड़ और अन्य सामान बरामद किये गये हैं। राज्य के बीजापुर जिले में 10 मई को पीड़िया गांव के जंगल में 12 घंटे तक हुई कई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया था। पुलिस ने कहा था कि संदेह के आधार पर मुठभेड़ स्थल से कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। स्थानीय ग्रामीणों और नक्सलियों ने दावा किया था कि 10 मई को हुई मुठभेड़ फर्जी थी और मारे गए लोग ग्रामीण थे जो जंगल में तेंदू पत्ता एकत्र करने गए थे। पुलिस ने उनके दावों का खंडन किया है और कहा है कि इस घटना में मारे गए सभी लोग नक्सली थे और उनके सिर पर नकद इनाम था।

प्रमुख समाचार

राहुल की डिबेट चैलेंज को भाजपा ने किया स्वीकार

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को सार्वजनिक बहस के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मुकाबला करने के लिए अपने युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को तैनात किया। राहुल गांधी को संबोधित एक पत्र में, कर्नाटक भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह एक राजनीतिक वंशज और एक आम युवा के बीच एक समृद्ध बहस होगी। यह घोषणा कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा पिछले सप्ताह पूर्व कांग्रेस प्रमुख गांधी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रमुख लोकसभा चुनाव मुद्दों पर बहस के लिए एक मंच पर आमंत्रित करने के एक दिन बाद आई है। राहुल गांधी ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और यह भी कहा कि देश को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसमें भाग लेंगे। हालाँकि, भाजपा ने बहस के निमंत्रण को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि राहुल गांधी की कांग्रेस के भीतर भी कोई साख नहीं है और इसलिए, प्रधान मंत्री के पास उनके साथ बहस करने का कोई कारण नहीं है। सूर्या ने अपने पत्र में कहा, प्रिय राहुल गांधी जी, भाजयुमो ने भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को आगामी बहस के लिए भाजयुमो के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया है।

उद्धव ने मोदी सरकार को बताया गजनी और विश्वासघाती

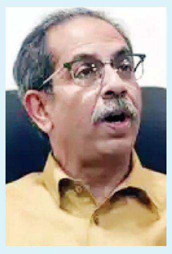

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने घोषणा की है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ कभी गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वे विश्वासघाती हैं और लोकसभा चुनाव हार रहे हैं। ठाकरे का यह बयान पीएम मोदी द्वारा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना को कांग्रेस के साथ विलय करके मरने के बजाय अजीत पवार और एकनाथ शिंदे से हाथ मिलाने की सलाह देने के कुछ दिनों बाद आया है। पार्टी के मुखपत्र सामना के साथ एक साक्षात्कार में, ठाकरे ने कहा पीएम मोदी और अमित शाह महाराष्ट्र के प्रति द्वेष रखते हैं, यही कारण है कि उन्होंने संस्थानों और निवेश परियोजनाओं को अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर दिया है। हालाँकि, इन लोकसभा चुनावों के बाद मोदी का तानाशाही शासन समाप्त हो जाएगा, और यह मेरी गारंटी है। भारत गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा और उसके बाद, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र अपना पुराना गौरव हासिल कर ले।

शाह ने उद्धव से पूछे पांच सवाल, कहा- हिम्मत है तो जवाब दें

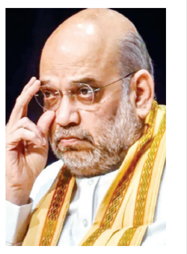

नई दिल्ली। राज्य में चौथे चरण में 11 लोकसभा सीटों पर मतदान जारी है। दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पालघर जिले में एक सार्वजनिक बैठक की। अमित शाह ने एक बार फिर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। आज हमारे साथ शिव सेना के मुख्यमंत्री हैं। इस दौरान शाह ने आरोप लगाया कि उनकी खिचड़ी सरकार ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया है। अमित शाह ने कहा कि हेमन्त सावरा को सांसद बनाकर विष्णु सावरा को सम्मानित किया जायेगा। अगर हेमंत सावरा को सांसद बनाया गया तो मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे। आपका एक वोट तीन काम करवाएगा। उन्होंने उद्धव ठाकरे से पांच सवाल भी पूछे। उन्होंने उन्हें चुनौती भी दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे इन सवालों का जवाब दें। यह चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनायेगा। अमित शाह ने पूछा कि क्या राहुल गांधी बन सकते हैं प्रधानमंत्री? एक पत्रकार ने शरद पवार से पूछा कि आपका नेता कौन है? तो पवार ने कहा कि हमारे पास बहुत सारे हैं? लोगों को मुफ्त अनाज कौन दे सकता है तो मोदी ही दे सकते हैं।

ईवीएम-वीवीपीएटीः सुप्रीम कोर्ट में लगी पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक समीक्षा याचिका दायर की गई है, जिसमें ईवीएम-वीवीपीएटी मामले में फैसले को चुनौती दी गई है, जहां मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) रिकॉर्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) डेटा के 100% क्रॉस-सत्यापन की प्रार्थना को खारिज कर दिया गया था। अरुण कुमार अग्रवाल ने फैसले में स्पष्ट त्रुटियों का हवाला देते हुए याचिका दायर की। अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से दायर समीक्षा याचिका के अनुसार, अदालत के 26 अप्रैल के फैसले में प्रतीक लोडिंग इकाइयों (एसएलयू) की भेद्यता और उनके ऑडिट की आवश्यकता को नजरअंदाज कर दिया गया। अग्रवाल ने दावा किया कि एसएलयू में आवश्यक छवियों से परे अतिरिक्त डेटा की संभावना को अदालत ने नजरअंदाज कर दिया था। इसमें कहा गया है कि फैसले में गलती से यह दर्ज किया गया कि ईवीएम वोटों के साथ मिलान के लिए गिने जाने वाले वीवीपैट पर्चियों का प्रतिशत 5% है जबकि यह 2% से कम है।

भारत-ईरान के बीच साइन हुआ चाबहार पोर्ट समझौता

नई दिल्ली। भारत और ईरान ने चाबहार में स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह के टर्मिनल के परिचालन के लिए सोमवार को एक दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। भारत और ईरान के बीच चाबहार के शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह के सामान्य कार्गो और कंटेनर टर्मिनलों के उपकरण और संचालन के लिए अनुबंध के हस्ताक्षर समारोह में ईरान के सड़क और शहरी विकास मंत्री सोनोवाल और मेहरदाद बजरपाश उपस्थित रहे। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 23 मई, 2016 को शुरू हुआ महत्वपूर्ण समझौता आज एक दीर्घकालिक अनुबंध में परिणत हो रहा है, जो भारत और भारत के बीच स्थायी विश्वास और निर्भर साझेदारी का प्रतीक है। आज हमने शाहिद-बेहिश्ती पोर्ट टर्मिनल के संचालन के लिए दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर होते देखा।

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं।

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं।

एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया।

अंडरपास से गुजरेंगे अब यहां के हाथी सड़क पर हाथियों की दहशत होगी कम

सरगुजा। अंबिकापुर से झारखंड जाने नेशनल हाइवे 343 में हाथियों और दूसरे वन्य प्राणियों के लिए अंडर पास बनाए जा रहे हैं। सरगुजा संभाग में ये दूसरी सड़क होगी, जिसमें हा?थियों के लिए अंडर पास बनाये जायेंगे। इससे पहले भी अंबिकापुर रायपुर रोड पर उदयपुर के पास अंडर पास बनाये गये थे। एनएच और वाइल्ड लाइफ के अधिकारियों के संयुक्त दौरे के बाद 3 अंडर पास स्वीकृत किए गये थे, जिसे अब 5 कर दिया गया है। टीम ने अंडर पास के लिये जगह तय कर दिया है और जल्द ही इस पर काम शुरू होगा।

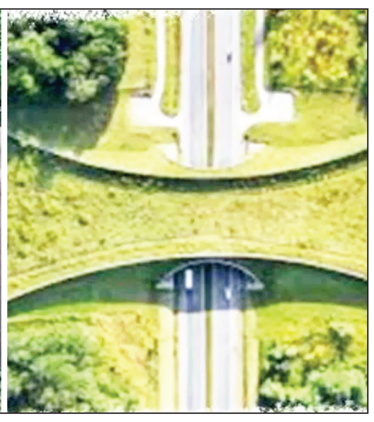

हाथियों के लिए अंडरपास

नेशनल हाइवे 343 में जिन स्थानों पर हाथियों की ज्यादा आवाजाही है, ऐसे 5 जगहों पर अंडरपास बनाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग(एनएच) के निर्माण के साथ अंडर पास भी बनेगा। पहले फेज में 72 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए टेंडर भी हो चुका है। इस सड़क पर 450 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अंबिकापुर से झारखंड जाने वाली ये सड़क पहले स्टेट हाइवे थी, केंद्रीय मंत्रालय ने इसे नेशनल हाइवे घोषित किया। दो साल पहले ही एनएच के निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई थी, लेकिन वाइल्डलाइफ से एनओसी नहीं मिलने के इस पर काम शुरू नहीं हो पा रहा था।

इन जगहों पर 5 जगह बनेंगे अंडरपास

एनएच के अधिकारियों के अनुसार चांची, अलखडिहा, बासेन, औंराझरिया और चार पारा में हाथियों की आवाजाही ज्यादा है इसलिए इन जगहों पर अंडरपास बनाए जा रहे हैं। अंडर पास की ऊंचाई पांच मीटर व चौड़ाई लगभग 40 मीटर होगी। अंडरपास के नीचे से हाथी आना-जाना करेंगे और ऊपर से गाड़ियों की आवाजाही होगी।

नेशनल हाइवे ईई नितेश तिवारी ने कहा अंबिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा एनएच में हाथियों व अन्य वन्यप्राणी विचरण करते हैं इसकी सुरक्षा के लिहाज से इनके मूवमेंट के लिए अंडरपास बनने हैं। इसके लिए वाइल्ड लाइफ के अधिकारियों के साथ दौरा कर जगह फाइनल कर लिया गया है। एग्रीमेंट के डेढ़ साल के अंदर सड़क तैयार करने की डेडलाइन तय की गई है।

अंबिकापुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित रजपुरी से लेकर राजपुर के पस्ता तक और बलरामपुर से रामानुजगंज तक अभी सड़क बनेगी। पस्ता से बलरामपुर तक सेमरसोत अभ्यारण्य के 23 किलोमीटर एरिया के लिए अभी एनओसी नहीं मिली है। इसके लिए अलग से प्लानिंग बन रही है। इस इलाके में घने जंगल के अलावा जनवरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस सड़क का काम होगा।

एफआईआर शून्य नहीं होने पर आदिवासी समाज ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

लोरमी। मुंगेली जिले के खुड़िया क्षेत्र में पदस्थ डिप्टी रेंजर विवाद थमने का नाम नही ले रहा है। अब इस मामले में सर्व आदिवासी समाज ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मोर्चा खोल दिया है। दरअसल बीते महीने पहले भूतकछार सर्किल के जंगल के कक्ष क्रमांक 486 में करंट तार की चपेट में आने से हाथी की मौत हुई थी। इस मामले में 9 आरोपियों के खिलाफ डिप्टी रेंजर प्रबल दुबे के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज किया गया है। इनमें तीन आरोपियों को जेल भी दाखिल किया गया है।

बताया जा रहा है कि बीते 4 मई को ग्राम सरगढ़ी के विसंभर सिंह को वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया था, जिसे कस्टडी में डिप्टी रेंजर पर मारपीट का गंभीर आरोप है। मारपीट से गिरफ्तार युवक के शरीर के पिछले हिस्से में चोट का गंभीर निशान दिखाई दे रहा है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

आदिवासी समाज के लोगों ने डेढ़ माह पर पहले विभाग के चौकीदार भादुराम कोलाम की शिकायत पर डिप्टी रेंजर के खिलाफ एट्रोसिटी के तहत एफआईआर दर्ज कराया था। उनके खिलाफ निलंबन सहित उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर लगातार शिकायत की गई, लेकिन उक्त शिकायत में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके चलते दो दिनों पहले डिप्टी रेंजर से नाराज ग्रामीणों ने जंगल में डिप्टी रेंजर की जमकर पिटाई कर दी। इस घटना की सूचना पर डिप्टी रेंजर दुबे को पुलिस की मदद से 50 बिस्तर अस्पताल लाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद एक दिन बाद उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया। साथ ही डिप्टी रेंजर प्रबल दुबे की शिकायत पर तीन ग्रामीणों के खिलाफ नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने और शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज किया गया है।

डिप्टी रेंजर की शिकायत पर आदिवासी समाज के लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद सर्व आदिवासी समाज भी एक्शन मूड में है। उन्होंने लोरमी थाना पहुंचकर एसडीओपी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रबल दुबे द्वारा लिखवाए गए दुर्भावनावश रिपोर्ट को 7 दिन के भीतर शून्य करने की मांग की है। वहीं घटना को लेकर सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष सिंह परते के नेतृत्व में एसडीओपी माधुरी धिरही को ज्ञापन सौंपते हुए 7 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई। सर्व आदिवासी समाज का आरोप है कि भादुराम कोलाम की शिकायत पर अजाक थाना मुंगेली में एक महीने पहले एट्रोसिटी के तहत अपराध दर्ज किया गया था, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। इसे लेकर खुड़िया वन क्षेत्र में डीएफओ संजय यादव के दौरे की सूचना पर आदिवासी समाज के लोगों ने फरार आरोपी डिप्टी रेंजर के निलंबन की मांग के लिए मुलाकात करने गए थे, जहां प्रबल दुबे ने आदिवासी समाज को अश्लील गाली गलौज किया। इससे माहौल खराब हो गया।

बैंक कैशियर का अनोखा कारनामा जीवित महिला को बताया मुर्दा

■ बीमा कंपनी से क्लेम करके बंद किया लोन अकाउंट

सक्ती। बंधन बैंक में काम करने वाले कैशियर का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। कैशियर पर आरोप है कि उसने अपने बैंक के खाताधारक का फर्जी मृत्युप्रमाण पत्र बनवाकर बीमा कंपनी में क्लेम करवाया इसके बाद डेढ़ लाख रुपए का गबन कर लिया इस मामले का खुलासा तब हुआ जब अकाउंट होल्डर दोबारा बैंक में लोन लेने गया। तब इस बात का पता चला कि उसकी पत्नी की मौत बैंक के दस्तावेजों में हो चुकी है इसके बाद खाताधारक को धोखाधड़ी का अंदेशा हुआ जब खाताधारक ने इस बात की शिकायत बैंक से की तो उसे चार महीने घुमाया गया।आखिरकार थक हारकर खाताधारक ने अपने साथ हुए धोखे की शिकायत पुलिस से की।

क्या है पूरा मामला ? = सक्ती के रहने वाले पुरुषोत्तम देवांगन ने बंधन बैंक से दो लाख का लोन दो साल पहले लिया था।उसने 9 किस्ते पटाने के बाद एक मुश्त बची हुई रकम पटाने के लिए बची हुई रकम करीब डेढ़ लाख रुपए बैंक में जमा किया लेकिन कैशियर कमलेश सिंह ने बैंक में पैसा जमा ना करके अपने पास लिया। कुछ महीने बाद जब कमलेश बैंक में दोबारा लोन लेने के लिए गया

तो उसे पता चला कि खाते में जो उसकी सहआवेदक पत्नी है,उसकी मौत हो चुकी है जबकि वास्तव में पुरुषोत्तम की पत्नी जीवित थी।

बैंक ने कटवाएं चक्कर ? = पत्नी की मौत दस्तावेजों में देखकर पुरुषोत्तम का दिमाग ठनका।उसने बैंक मैनेजर से शिकायत की लेकिन उसकी कोई मदद नहीं की गई।जब खुद से पुरुषोत्तम ने पता किया तो जो जानकारी सामने आई वो हैरान करने वाली थी।दरअसल कैशियर ने पुरुषोत्तम की दी हुई रकम को खुद के पास रख लिया इसके बाद कैशियर ने बैंककर्मियों के साथ मिलकर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर लोन अकाउंट को बीमा कंपनी से सेटल करवा लिया।इस अकाउंट को सेटल करने के बाद पुरुषोत्तम के लोन अकाउंट को बंद कर दिया गया। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि बैंक प्रबंधन के धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत मिली है। जल्द ही इसमें संबंधित बैंक कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

न्यायालयों में भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव किया जाएगा पारित : श्रीवास्तव

जगदलपुर। कायस्थ समाज के पदाधिकारी समाज के सदस्यों से भगवान चित्रगुप्त के प्राकट्य उत्सव में सपरिवार शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। वहीं जगदलपुर के अलग-अलग सनातनी हिंदू समाज को भी विशेष रूप से इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। कायस्थ समाज जगदलपुर के अध्यक्ष अर्जुन श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिवर्ष वैशाख शुक्ल, गंगा सप्तमी के दिन भगवान चित्रगुप्त के प्राकट्य उत्सव का कार्यक्रम समाज के द्वारा हर्षो उल्लास के साथ मनाया जाता है। चूंकि भगवान चित्रगुप्त सृष्टि के प्रथम न्यायाधीश हैं। अतः अंग्रेजी हुकूमत के समय से भारत के समस्त न्याय के मंदिर (न्यायालय) में स्थापित विदेशी (यूनानी) न्याय की देवी की प्रतिमा के स्थान पर भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव इस कार्यक्रम में पारित किया जाएगा।

कायस्थ समाज जगदलपुर के सचिव गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि 18 मई, शनिवार को भगवान चित्रगुप्त प्राकट्य उत्सव स्थानीय चित्रगुप्त मंदिर चित्रांश भवन, सिविल लाइन, लालबाग में संपन्न होगा जिसमें जगदलपुर तथा आस-पास के गांव में रहने वाले सभी कायस्थ समाज के सदस्य इसमें शामिल होंगे। जिसमें तय कार्यक्रम के अनुसार 18 मई को सुबह 8 बजे भगवान का अभिषेक, आरती के साथ शुरू होगा, इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी दीपक श्रीवास्तव एवं राजीव निगम के नेतृत्व में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होंगे जिसमें बच्चों की रंगोली ,चित्रकला, नृत्य प्रतियोगिता होगी और महिलाओं की कुर्सी दौड़ और गायन प्रतियोगिता भी होगी।

संध्या 4 बजे पूजन, हवन संपन्न किया जायेगा। संध्या 5 बजे समाज के सभी सदस्य भगवान चित्रगुप्त की शोभा यात्रा चित्रांश भवन से निकालेंगे, जिसमें अन्य समाज के सनातनी हिंदू भाई-बहन भी सम्मिलित रहेंगे। यह शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस चित्रगुप्त मंदिर में पहुंचेगी जहां समस्त कायस्थ जन एक साथ मिलकर भगवान चित्रगुप्त की सामूहिक महाआरती करेंगे। सामूहिक महाआरती के बाद समाज के वयोवृद्ध सदस्यों को तथा विशेष उपलब्धि हासिल किए समाज के सदस्यों को कायस्थ रत्न व भगवान गीता की पुस्तक देकर सम्मानित किया जाएगा और विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

अनजान कॉल से सावधान

बिलासपुर में युवक को बनाया शिकार बोनस प्वाइंट का दिया झांसा

बिलासपुर। बिलासपुर में एक युवक को ऑनलाइन ठगी का शिकार होना पड़ा है। बोनस प्वाइंट मिलने का झांसा देकर ठग ने उसके क्रेडिट कार्ड की पूरी जानकारी ले ली। कुछ देर बाद अकाउंट से करीब एक लाख 28 हजार 641 रुपये निकाल लिये। मामले में पचपेड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दरअसल, पचपेड़ी थाना क्षेत्र के युवक को बोनस प्वाइंट मिलने का झांसा देकर एक ठग ने उसके क्रेडिट कार्ड से पूरी जानकारी ले ली और कुछ देर बाद अकाउंट से से एक लाख से ज्यादा 28 हजार 641 उड़ा दिया फिलहाल पचपेड़ी पुलिस मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, पचपेड़ी के रहने वाले दिलीप कुमार बर्मन पिता अमृतलाल बर्मन खेती किसानी का काम करता है। रोज की तरह वह 10 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे घर पर आराम कर रहा था। तभी अनजान नंबर से उसके मोबाइल पर एक फोन आया। सामने वाले ने खुद को क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट के कर्मचारी होने की बात कही।

युवक से बोनस प्वाइंट मिलने की जानकारी दी गई। इस पर युवक लालच में आकर सभी तरह की उसे जानकारी दे दी। कुछ देर बाद उसके क्रेडिट कार्ड से 98 हजार 641 रुपये और सेविंग अकाउंट से 30 हजार रुपये पार हो गए। मोबाइल में रुपए कटने का मैसेज देखकर युवक के होश उड़ गए। इसके बाद थाने में इसकी शिकायत दर्ज करायी है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

आरक्षक के संरक्षण में चल रही थी गौ तस्करी

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना के आरक्षक को आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने पर एसपी रजनेश सिंह ने निलंबित कर दिया है।

आरक्षक के खिलाफ सरकंडा सीएसपी प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट पेश करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर आरक्षक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए यूपी के खूंखार मवेशी तस्करों से पुलिस आरक्षक का संबंध था और वह उन्हें संरक्षण देता था। जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए यूपी के मवेशी तस्करों से पुलिस आरक्षक बबलू बंजारे का लगातार संपर्क था। उसके ही इशारे पर तस्कर जिले से मवेशी की तस्करी करते थे। बता दें कि मवेशी तस्करी के मामले में सकरी थाने में उक्त आरक्षक के खिलाफ के खिलाफ जुर्म दर्ज हुआ था। मामले में आरक्षक की गिरफ्तारी नहीं की गई थी। आरक्षक लंबे समय से जिला में अवैध कारोबार करने वालों को संरक्षण देने का काम कर रहा था।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे पूर्व विधायक

कोरबा। पाली तानाखार के पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा हादसे का शिकार हो गए। सड़क हादसे में पूर्व विधायक बाल-बाल बचे। सड़क पर अचानक मवेशी आ जाने से उनकी कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। घटना में मोहितराम केरकेट्टा को आंशिक चोटें आई है। मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा की कार कटघोरा बायपास मार्ग पर अनियंत्रित होकर लखनपुर के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। घटना के समय पूर्व विधायक केरकेट्टा गाड़ी में सवार थे। घटना में पूर्व विधायक को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद केरकेट्टा दूसरी गाड़ी से अपने गृहग्राम पोलमी के लिए रवाना हुए। बताया जा रहा है कि मोहितराम केरकेट्टा अपनी गाड़ी में बैठकर कोरबा से कटघोरा के रास्ते पाली की ओर जा रहे थे। तभी लखनपुर के पास सड़क पर अचानक मवेशी आ गया और यह हादसा हुआ।

महिला व बाल विकास के प्रयास से रुका बाल विवाह

जगदलपुर। बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही कलेक्टर विजय दयाराम के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण अधिकारी विजय शंकर शर्मा के नेतृत्व में एक टीम रविवार रात नानगुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत छोटे कवाली में बालिका के घर पहुंची जहां पर हर पहलू से जानकारी देते हुए महिला व बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से बाल विवाह रोका गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी विजय शंकर शर्मा ने बताया कि कुछ दिनों पहले ग्राम पंचायत छोटे कवाली में एक परिवार की 16 वर्ष की बालिका का विवाह निर्धारित था। टीम द्वारा लड़की की आयु सत्यापन संबंधी दस्तावेज की जांच की गई जिसमें लड़की की उम्र का कम होने पर बालिका के अन्य दस्तावेज की भी जांच की गई, जिसमें बालिका की उम्र 16 वर्ष पाई गई। अधिकारी कर्मचारी द्वारा बालिका व उसके माता-पिता व स्थानीय लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताया। इसके साथ ही 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद विवाह करने की समझाईश के बाद सभी की सहमति से विवाह रोका गया।

नाग को गले में डालकर ले रहा था झप्पी

कोरिया। बैकुंठपुर से 10 किलोमीटर दूरी पर चारपारा गांव है। इस गांव का तालाब इन दिनों आस्था का केंद्र बना हुआ है। क्योंकि इस तालाब में नाग और नागिन के जोड़े ने लोगों को दर्शन दिए हैं। पहले तो लोगों ने इसे सामान्य घटना माना। लेकिन जब ग्रामीणों ने आए दिन नाग के जोड़ों को तालाब में देखा तो इसे दैवीय चमत्कार मानने लगे। ग्रामीणों ने इसके बाद नाग को दूध पिलाने के लिए तालाब किनारे कटोरी रखी। फिर क्या था नाग आया और कटोरी से दूध पी गया। इस घटना के बाद मानो लोगों को लगने लगा कि सच में उनके गांव में दैवीय कृपा हुई है। ये बात पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैली। एक शराबी ने थोड़ी हिम्मत दिखाई और नशे में उसने नाग को अपने गले का हार बना डाला। यहां तक तो ठीक था लेकिन जैसे ही शराबी ने नाग को तालाब से दूर ले जाने की कोशिश की तो नाग नाराज हो गया और वही किया जो उसका काम है। नाग के पप्पी लेते ही शराबी का नशा काफूर हुआ और जनाब का काम तमाम। इसके बाद चुपचाप नाग देवता अपने तालाब में वापस आ गए।

राष्ट्रीय राजमार्ग में गड्ढे बने तालाब, आना-जाना मुश्किल

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज राष्ट्रीय राजमार्ग 343 की स्थिति दिन प्रतिदिन अत्यंत दैनीय होते जा रही है। रामानुजगंज से बलरामपुर होते अंबिकापुर की 110 किलोमीटर दूरी तय करना लोगों के लिए मुश्किल जा रहा है। कहीं-कहीं तो सड़क में स्थिति इतनी खस्ता हो गई है कि चार चक्का वाहन तो मुश्किल से पार हो ही रहा है वहीं दो चक्का वाहन को भी पार करना मुश्किल हो रहा है। आने वाले बरसात के समय में सड़क की स्थिति और जर्जर हो जाएगी, तातापानी मुख्य बाजार के जर्जर सड़क में बरसात के बाद मानो सड़क पर तालाब बन गया हो। राष्ट्रीय राज्य मार्ग के बड़े गड्ढों को भरवाने में राष्ट्रीय राज्य मार्ग के अधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं जिस कारण स्थिति ऐसी हो रही है। कई गड्ढे ऐसे खतरनाक हो गए हैं कि जिन्हें तत्काल भरवाय जाना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय राज्य मार्ग के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। बीच-बीच में राष्ट्रीय राज्य मार्ग के अधिकारियों के द्वारा गड्डो को भरवाया जाता है परंतु वह सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित होता है।

लगातार फाइव स्टार खिताब पाने वाली प्रदेश की पहली पीईकेबी खदान

अंबिकापुर। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने खदानों के संचालन प्रणाली, पर्यावरण सुरक्षा और सुरक्षा इंतजामों तथा नये उपकरणों के उपयोग इत्यादि कठिन मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों का चयन किया है। जिसमें परसा ईस्ट कांता बासन (पीईकेबी) ओपनकास्ट कोयला खदान को लगातार चौथे साल में भी पांच सितारा खदान के खिताब से नवाजा गया है। सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लॉक में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) की पीईकेबी कोयला खदान ने ओपन कास्ट कोयला खदानों के अनुभागों में पांच सितारा सम्मान पिछले चार सालों से लगातार मिलने से छत्तीसगढ़ में नया रिकार्ड कायम किया है।

राजस्थान के निगम की इस खदान से राज्य की 4340 मेगावाट क्षमता की तापीय

विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति की जाती है। जिससे आठ करोड़ उपभोक्ताओं को सस्ती और निरंतर बिजली मिल पा रही है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के मार्गदर्शन में खदानों को पांच सितारा रेटिंग के लिए बेहद सख्त सात मॉड्यूलों में खुली खानों और भूमिगत खानों के मूल्यांकन पैरामीटर विनिर्दिष्ट किये गए हैं। जिनमें भारत की 47 भूमिगत और 50 खुली खानों द्वारा स्व-मूल्यांकन के लिए विस्तृत मापदंडों के तहत आवेदन करना होता है। पीईकेबी खदान को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में केंद्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने पांच सितारा खान से सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। जिसे राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की ओर से निदेशक (तकनीकी) श्री देवेन्द्र श्रृंगी ने प्राप्त किया। पीईकेबी खदान द्वारा खनन संचालन, पर्यावरण, प्रौद्योगिकियों को अपनाना एवं सर्वोत्तम खनन अभ्यास, आर्थिक प्रदर्शन, पुनर्वास और पुनर्स्थापन, कर्मचारी स्वास्थ्य और सुरक्षा अनुपालन संबंधी कारक में वर्ष 2022-23 में 93 फीसदी अंक के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। दरअसल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की टीम द्वारा मूल्यांकन पैरामीटर में सभी लागू मापदंडों के अधिकतम अंकों का योग और उनके उच्चतम प्रतिशत के अनुसार ही सितारा का खिताब आवंटित किया जाता है, जैसे 91 से 100 फीसदी अंकों को 5 स्टार, 81 से 90 फीसदी में 4 स्टार, 71 से 80 फीसदी को 3 स्टार, 61 से 70 फीसदी को 2 स्टार, 41 से 60 फीसदी को 1 स्टार का सम्मान दिया जाता है। वहीं 0 से 40 फीसदी अंकों पर कोई भी सितारा नहीं दिया जाता है। खान प्रबंधन द्वारा घोषित स्व-मूल्यांकन के बाद इसके मान्यकरण के लिए कोयला मंत्रालय का 'कोयला नियंत्रक संगठन' उत्तरदायी होता है। मुख्य नियंत्रण अधिकारी के क्षेत्रीय कार्यालय अपने अधिकार क्षेत्र के तहत कोयला खानों के लिए सत्यापन व समन्वय के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रत्येक टीम में मुख्य नियंत्रण अधिकारी प्रतिनिधि सहित 3 सदस्य होते हैं और टीम का कोई भी सदस्य उसी खदान से ताल्लुक नहीं रखता जिसकी खदान का सत्यापन किया जा रहा हो। सीसीओ द्वारा निर्दिष्ट समय-सीमा में पारदर्शी तौर पर उन्हीं खानों को सौंपा जाता है जिन्हें प्रत्येक समिति द्वारा मान्य किया गया हो।

अंधड़ व बारिश से तेन्दूपत्ता की खरीदी हुई प्रभावित

जगदलपुर। बस्तर संभाग के सभी जिलों बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर में मौसम विभाग ने आज भी बारिश की संभावना के साथ आगामी 05 दिनों तक अंधड़ और बारिश की चेतावनी जारी करते हुए बताया कि समुद्र से आ रही नमी युक्त हवाओं के कारण मौसम में बदलाव हो रहा है। इस अंधड़ व बारिश के कारण बस्तर संभाग में तेन्दूपत्ता की खरीदी प्रभावित हो रही है।

जगदलपुर वन वृत्त के चारों वनमंडल बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर में इस सीजन में पौने तीन लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अब तक तीन वनमंडल सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में 77 हजार 475 मानक बोरा तेन्दूपत्ता की खरीदी हो पायी है। बीजापुर वनमंडल के कई फड़ में खराब मौसम को देखते हुए, तेन्दूपत्ता की खरीदी शुरू नहीं हो पायी है। बस्तर संभाग में पिछले दिनों तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई थी। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई थी, इसके कारण तेन्दूपत्ता की गुणवत्ता खराब हुई है। यही कारण है

कि ठेकेदारों द्वारा रोक-रोककर तेन्दूपत्ता की खरीदी की जा रही है उल्लेखनीय है कि हरा सोना के नाम से प्रसिद्ध तेन्दूपत्ता का संग्रहण कर महिलाएं प्रति वर्ष सीजन में आर्थिक आय अर्जित करती है। तेन्दूपत्ता का पारिश्रमिक पूर्व में कम था, क्योंकि पहले पारिश्रमिक दर में कम वृद्धि की जा रही थी। भाजपा ने प्रति मानक बोरा 5500 रुपए करने का वादा किया था और वादा निभाते हुए इस सीजन में 55 सौ रुपए भुगतान करने की घोषणा की गई है। यही कारण है कि संग्राहक अधिक से अधिक मात्रा में तेन्दूपत्ता की संग्रहण करने तैयारी में थे, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण खरीदी प्रभावित हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं परीक्षा में सफल छात्रों को दी बधाई

रायपुर। सीबीएसई ने सोमवार को कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल 10वीं में 93.60% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। वहीं 12वीं में 87.98 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। नतीजे घोषित होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी है। साथ ही असफल छात्रों का हौसला बढ़ाया है। सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, सीबीएसई के 10वीं और 12वीं परीक्षा के नतीजे घोषित हुए हैं। यह हर्ष का विषय है कि 12वीं में 87.98 प्रतिशत परीक्षाफल रहा। सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। जिन छात्र-छात्राओं के परीक्षा परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे वे निराश न हों। कोशिश करते रहें सफलता एक दिन जरूर कदम चूमेगी।

जबलपुर-दुर्ग-जबलपुर समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन यात्रियों की कमी के रद्द

रायपुर। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा आपर्याप्त यात्रियों कारणों से जबलपुर से 20 मई से 17 जून तक (5 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल एवं दुर्ग से 21 मई से 18 जून 2024 तक (5 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01702 दुर्ग-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन रद्द करने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/रेल मदद 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर यात्रा करें।

पुरानी रंजिश को लेकर बदमाशों ने घर घुसकर युवक की कर दी पिटाई

रायपुर। राजधानी रायपुर में तीन बदमाशों ने घर घुसकर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। बीच बचाव करने आये पड़ोसियों पर भी लाठी डंडे का बौछार कर दिया। इससे तीन लोगों को काफी चोटें आई है। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बीते दिनों शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे प्रार्थी अपने घर पर था। गांव के ही विवेक वर्मा, अभिषेक वर्मा और उसका दोस्त विरेन्द्र ध्रुव लाठी डंडा लेकर जबरन प्रार्थी के घर अंदर घुसकर घूस गए। पुरानी रंजिश को लेकर तीनों बदमाशों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिए। प्रार्थी के मना करने पर बदमाशों ने मारपीट करने लगे। साथ ही जान से मरने की धमकी देने लगे। इस दौरान विवेक वर्मा ने अपने पास रखे डंडा से मारपीट कर रहे थे। घर के पास बैठे नरसिंग यादव और भुनेश्वर वर्मा बीच बचाव करने आये, लेकिन बदमाशों से उन दोनों से भी मारपीट की। इससे पड़ोसियों के शरीर में कई जगहों पर चोट आई। इसके बाद प्रार्थी ने थाना पहुंचकर तीनों बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की खोजबीन शुरू की। इस दौरान आरोपी को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में बदमाशों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

रेलवे टिकट दलाल गिरफ्तार, चॉइस सेंटर की आड़ में चला रहा था अवैध कारोबार

कोरबा। रेलवे आरपीएफ पुलिस ने टिकट

दलाली के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 9 रिजर्वेशन टिकट, 4 चालू टिकट और 5 पुराना टिकट जब्त किया गया है। इसके अलावा कंप्यूटर लैपटॉप और मॉनिटर भी जब्त किया गया है। रेल पुलिस के अनुसार आरोपी कोरबा के दर्री जमनीपाली निवासी आशिफ शेख यूनिक ऑनलाइन और चॉइस सेंटर नामक दुकान चला रहा था। इसने दुकान के बाहर बोर्ड लगा रखा है, जिसमें तमाम सुविधाओं के साथ रेलवे रिजर्वेशन करने का भी उल्लेख है। आरोपी पर्सनल यूजर आईडी के जरिए टिकट बनाया करता था। उसके विरुद्ध धारा 143 के तहत कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है कि रेलवे आरपीएफ पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि दर्री जलगांव चौक के पास यूनिक ऑनलाइन और चॉइस सेंटर चलता है, जहां रेलवे टिकट की दलाली की जाती है। पर्सनल यूजर आईडी के जरिए टिकट तैयार कर लोगों को अधिक दाम पर भेजता है। आरपीएफ थाना प्रभारी सतीश कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची, जहां जांच कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पर्सनल आईडी से टिकट बनाना पाया गया, उसके पास से नौ टिकट बरामद किया गया। कंप्यूटर, लैपटॉप समेत अन्य सामान को जब्त कर आगे की कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि यूनिक ऑनलाइन और चॉइस सेंटर में सीएसईबी एनटीपीसी टेंडर फॉर्म भरा जाता है। इसके अलावा जीएसटी ई फिलिंग रेलवे रजिस्ट्रेशन आधार कार्ड अपडेट बिजली बिल ड्राइविंग लाइसेंस वाहन बीमा के अलावा, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र जाति और निवास प्रमाण पत्र का काम किया जाता है, जिसका बोर्ड बाहर लगा हुआ था।

विस-लोस चुनावो में बेहतर प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री ने दी भाजपा मीडिया विभाग को बधाई

मुख्यमंत्री ने साझा किया किस्सा, बिजली की समस्या आने पर वो कैसे हुए थे क्रोधित और सभी को सस्पेंड करने तक की कही थी बात

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में भाजपा मीडिया विभाग के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया विभाग को विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावो में बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी। साय ने कहा विधानसभा चुनावो में विपरीत परिस्थितियों में भी मीडिया विभाग पूरी तरह सक्रिय रहा और लोकसभा चुनावो में भी सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई,इसके लिए मैं सभी को बधाई देता हूं।

श्री साय ने कहा आप सभी के साथ मुलाकात करने का मन काफी दिनों से था आज सभी से मिलकर बहुत अच्छा लग रहा है आपमें से 90 प्रतिशत को को नाम से जानता हूं लगातार आप लोगो को टीवी पर देखता भी हूं सभी ने बहुत अच्छा काम किया है। कार्यक्रम के दौरान प्रवक्तागण के सुझावों पर बोलते हुए साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ एक बड़ी मुहिम छेड़ी है हमे बस अब कुछ वर्षो में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद से मुक्त कराना है ताकि छत्तीसगढ़ में संपूर्ण विकास हो सके।

श्री साय ने कहा छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं है नक्सल समस्या से मुक्ति पर छत्तीसगढ़ का पर्यटन बहुत बढ़ जायेगा। विकास तेज गति से होगा,हम गांव गांव तक सुविधा केंद्र खोल रहे है जिससे सरकार की योजनाएं प्राथमिकता से वहां पहुंच सके। प्रवक्तागण ने इस दौरान कृषि, नक्सल,शिक्षा,स्किल डेवलपमेंट सहित कई मुद्दों पर सुझाव भी रखे। इस दौरान श्री साय ने हाल ही का किस्सा साझा करते हुए बताया कि वैसे वो शांत स्वभाव के है लेकिन जनता की समस्या का निवारण न होने पर क्रोधित हो जाते है हाल ही के एक जिले में बिजली समस्या ठीक न होने पर उन्होंने अधिकारियों को अल्टीमेटम दे दिया था कि अगर कल तक बिजली समस्या ठीक न हुई तो सभी सस्पेंड होंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को कार्य करने की बहुत स्वतंत्रता दी है जिससे सभी पूरे जोश के साथ कार्य कर रहे है। श्री शर्मा ने आगामी कई योजनाओं के बारे में भी जानकारी साझा की और कहा अब छत्तीसगढ़ में विकास होने से कोई नही रोक सकता विकास में रुकावट लाने वाली हर बाधा को दूर करेंगे। श्री शर्मा ने कहा प्रदेश सरकार नक्सल समस्या और जन सामान्य के सुरक्षा के विषयो पर बहुत गंभीरता से काम कर रही है यह सरकार की प्राथमिकता में है श्री शर्मा ने इस दौरान सरकार के आगामी विजन को भी सामने रखा और मीडिया विभाग के सभी सदस्यों को बधाई भी दी।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रस्तावना व स्वागत भाषण देते हुए भाजपा मीडिया विभाग के प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा अब छत्तीसगढ़ में एक शब्द सबसे ज्यादा प्रचलन में है जिसे हर परिस्थिति में इस्तेमाल किया जा रहा है वो शब्द है सांय सांय।

यह विष्णु देव साय सरकार की सफलता का एक बड़ा प्रमाण है केवल चंद महीनों में ही रिकॉर्ड स्तर का कार्य किया गया है।अमित ने प्रवक्तागण के कार्यों की तारीफ करते हुए कहा हमारे एक एक प्रवक्ता ने तीन तीन लोगो से डिबेट में तर्क कर जनता के सामने अपना पक्ष रखा है जो काबिले तारीफ है।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सार्वजनिक उपक्रमों को लिखा पत्र

- कहा- कितने बाहरी और कितने स्थानीय को दिया रोजगार, 7 दिन के भीतर मांगी जानकारी

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा जिले के सभी सार्वजनिक उपक्रमों सहित निजी प्रतिष्ठान को पत्र लिखकर बाहरी और स्थानीय श्रमिकों की जानकारी 7 दिवस के भीतर तलब की है। एसईसीएल के कोरबा, गेवरा, दीपका मुख्य महाप्रबंधक, बालको, एनटीपीसी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मंत्री देवांगन ने पत्र लिखा है।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने पत्र के माध्यम से कहा है कि स्थानीय बेरोजगारों के माध्यम से आए दिन शिकायतें आ रही है की स्थानीय बेरोजगारों की बजाय बाहरी लोगों की भर्ती की जा रही है। जबकि स्थानीय लोगों को 70 फीसदी लेना है और बाहरी लोगों को 30 फीसदी लेना है। वर्तमान में सार्वजनिक उपक्रमों में नियोजित कई ठेका कंपनियों द्वारा स्थानीय बेरोजगारों की उपेक्षा की जा रही है। जो की अनुचित है। मंत्री देवांगन ने सभी उपकर्मों से 7 दिन के भीतर स्थानीय और बाहरी श्रमिको की जानकारी मांगी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार की मंशा भी स्थानीय लोगों को काम पर रखने की है।

डाटा से स्थिति होगी स्पष्ट, बेरोजगारों को मिलेगा काम

पिछले कई वर्षों से सार्वजनिक उपक्रमों में नियोजित निजी कंपनियों में कितने श्रमिक काम कर रहे हैं, श्रमिक स्थानीय हैं या फिर बाहरी हैं, इसकी जानकारी नहीं होने की वजह से स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने की दिशा में ठोस पहल नहीं हो पाती थी। निजी ठेका कंपनियों द्वारा मनमानी की जाती थी, अब श्रमिकों की वास्तविक जानकारी सामने आने के बाद बेहतर प्रयास संभव हो सकेगा। उद्योग मंत्री देवांगन स्थानीय बेरोजगारों के लिए लगातार सार्थक प्रयास कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन का पहला वार्षिक सम्मेलन, तैयारियाँ शुरू

वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर होगा मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ समाज शास्त्रीय एसोसिएशन द्वारा अपने पहले वार्षिक सम्मेलन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। यह प्रथम वार्षिक सम्मेलन वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति विषय पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें मेजबान छत्तीसगढ़ सहित देशभर के विद्वान, शोधार्थी, प्राध्यापकगण शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

यह जानकारी छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन (सीजीएसए) की अध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा और सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल ने दी। उन्होंने बताया कि आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण पूरी दुनिया के देशों के विकास की प्रक्रिया में केंद्रीय मुद्दा है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से 28 और 29 जून 2024 को सीजीएसए अपना पहला वार्षिक सम्मेलन उक्त विषय् पर आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य की जनजातियाँ, वैश्विक समाज में महिलाओं की बदलती स्थिति, आदिवासी महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव, आदिवासी महिलाओं के मुददे और चुनौतियाँ, बहुसांस्कृतिकवाद और आदिवासी महिलाएँ, आदिवासी महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे विषयों पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किये जाएंगे तथा विषय विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन की सफलता के लिए आयोजन समिति का भी गठन किया गया है जिसके संरक्षक प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल (कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय), संयोजक प्रो. प्रीति शर्मा (अध्यक्ष सीजीएसए), सह संयोजक प्रो. सुचित्रा शर्मा (उपाध्यक्ष सीजीएसए), आयोजन सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल (सचिव सीजीएसए), सह आयोजन सचिव प्रो. सोनिता सत्संगी (कोषाध्यक्ष सीजीएसए), संयुक्त सचिव हर्ष पाण्डे, सुशील गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य प्रो. श्रवण गिरोलकर, डॉ. पुष्पा तिवारी, प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. मनीषा महापात्र, प्रो. प्रीति मिश्रा, प्रो. तारा शर्मा, प्रो. मंजू झा, प्रो. साधना खरे, डॉ. अमरनाथ शर्मा, डॉ.. हेमलता बोरकर, डॉ.. नीता बाजपेयी शामिल हैं।

सत्ता के दम पर चुनाव लड़कर अनर्गल बात कर रहे हैं अरुण साव : डहरिया

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व मंत्री और जांजगीर से कांग्रेस प्रत्याशी शिव कुमार डहरिया ने डिप्टी सीएम अरुण साव के 4 जून के बाद कांग्रेसी ढूंढे से भी नहीं मिलेंगे वाले बयान पर पलटवार किया है। पूर्व मंत्री ने कहा कि डिप्टी सीएम अरुण साव मुगालते में है। वह खुद सत्ता के दम पर चुनाव लड़कर अनर्गल बाते कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता छत्तीसगढ़ में धरातल में बात करें।

भाजपा विधायकों का परफॉर्मेंस लिस्ट तैयार कर रही है वाले सवाल पर पूर्व मंत्री शिव डायरिया ने कहा कि सरकार का परफॉर्मेंस खराब है। बाकी के परफॉर्मेंस के बारे में क्या बात की जाए। उन्होंने कहा कि हमारा परफॉर्मेंस कैसा रहा यह बच्चों के मेरिट लिस्ट ने बताया दिया है। भूपेश बघेल की सरकार ने जो काम किया वह सामने है। अब जो काम बाकी है वह साय सरकार करके दिखाएं।

कांग्रेस नेताओं के रायबरेली दौरे को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव के बयान पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या भाजपा के लोग दूसरे राज्य में जाकर प्रचार नहीं कर रहे ? पार्टी जहां जिसको जो जिम्मेदारी देती है वहां जाया जाता है। गांधी परिवार ने ही आजादी दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जेल में रहकर आजादी का आंदोलन चलाया, पंचायती राज, कंप्यूटर क्रांति, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, कांग्रेस की ही देन है।

पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी का आजादी के आंदोलन में क्या योगदान रहा जरा बताएं ? आरएसएस और बीजेपी के नेता अंग्रेजों के चाटुकार थे उनकी मुखबिरी करते थे। केंद्र में बीजेपी का सूपड़ा साफ होना तय है। महादेव ऐप के जाल में फंसे कारोबारी ने की आत्महत्या मामले पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि महादेव ऐप पर कांग्रेस सरकार ने एफआईआर कराई थी। अमित शाह महादेव ऐप को क्यों बंद नहीं करा रहे हैं ? केंद्र और राज्य दोनों में ही भाजपा की सरकार है फिर भी महादेव ऐप बंद नहीं कर रही।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड का रिजल्ट, फिर लड़कियों ने मारी बाजी

रायपुर। सीबीएसई 12वीं बोर्ड के रिजल्ट की घोषणा कर दी गई है। इस साल 87 ।98त्न छात्र बोर्ड परीक्षा में पास हुए। एक बार फिर लड़कियों ने बाजी मारी है। 91 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियों ने परीक्षा पास की। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से 6.40 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल से पासिंग परसेंटेज 0.65% बढ़ा है।

सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट आप इन वेबसाइट cbseresults.nic.in, results.cbse.nic.in,cbse.gov.in पर चेक कर सकते हैं।

सीजीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 15 फरवरी को शुरू हुई थी। जो 2 अप्रैल तक चली। करीब 39 लाख छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा दी थी।

सीजीबीएसई बोर्ड 2024 में जशपुर और महासमुंद की बेटियों ने किया टॉप

हाल ही सीजीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी हुआ था। इस एग्जाम में भी लड़कियों ने ही बाजी मारी थी। 10वीं बोर्ड में जशपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल की सिमरन सबा ने टॉप किया। सिमरन को 600 में 597 अंक मिले थे। 99। 50 प्रतिशत के साथ पूरे जिले में टॉप रैंक रहा। 12वीं बोर्ड में महासुमंद जिले की महक अग्रवाल ने 97 ।40 प्रतिशत लाकर टॉप किया। सीजी बोर्ड रिजल्ट में टॉप करने वाले ज्यादा छात्रा छात्राएं इस बार गरीब और मध्यवर्गीय परिवार से रहे। सीएम साय ने सभी टॉपर्स और उनके घरवालों से वीडियो कॉलिंग के जरिए बात की और उन्हें शुभकामनाएं दी। कम नंबर और फेल होने वाले छात्रों को सीएम ने निराश ना होने की सलाह देते हुए आगे की तैयारी में जुटने को कहा।

छग की 6 प्रतिभागियों ने हासिल किया इंडिया इंटरनेशनल का खिताब

रायपुर। पिछले दिनों गोवा के नीलम द ग्रैंड होटल में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल 2024 प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिसमें 6 प्रतिभागियों ने अलग-अलग कैटेगिरी में खिताब हासिल करने में कामयाब रही। खिताब हासिल करने के बाद राजधानी रायपुर लौटी प्रतिभागियों ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि खिताब जीतने के लिए कड़ी मेनहत और घर वालों का सपोर्ट बहुत जरुरी होता है। इस क्षेत्र में काम कर रही लड़कियों व महिलाओं को लोग भले ही पूरे नजर से देखते हैं लेकिन उनकी प्रतिभाओं को वे नहीं देखते हैं, वे यहां तक किन-किन परिस्थितियों से पार कर यहां तक पहुंची है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए एसएस फाउंडेशन की संस्थापिका शिखा साहू ने बताया कि इंडिया इंटरनेशनल प्रतियोगिता के बाद उनका अगला टारगेट इंटरनेशनल करना हैं जिसकी तैयारी में जुट गई है। इसके अलावा इंडिया इंटरनेशनल प्रतियोगिता में जीतने भी प्रतिभागियों ने खिताब जीता है उन्हें उनकी प्रतिभा के अनुसार उन मुकाम तक पहुंचना है ताकि वे आगे अपना कैरियर इस क्षेत्र में बना सकें। असम की प्रिया दास ने मिस इंडिया आइकन का खिताब जीती हैं और उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पहली बार घर से कुछ करने के लिए बाहर निकली थी लेकिन उनकी प्रतिभाओं को वहां वह मौका वहां नहीं मिल पाया। एसएस फाउंडेशन की संस्थापिका शिखा साहू से एक दिन मुलाकात हुई और उन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचाना और आज यह खिताब हासिल करने में कामयाब हो पाई। छत्तीसगढ़ और असम में ज्यादा फर्क नहीं है लेकिन वहां की लड़कियों से ज्यादा छत्तीसगढ़ की लड़कियों में ज्यादा प्रतिभा है और अब यहां से वे जाना नहीं चाहती है और यही रहकर अपना कैरियर बनाना चाहती है।

मिसेस इंडिया इंटरनेशनल जागृति गोठी ने बताया कि वह भिलाई की रहने वाली है और दो बच्चों की माँ है, लेकिन उनकी इस प्रतिभा को निखारने में घर वालों का सपोर्ट बहुत जरुरी होता है वह सपोर्ट उन्हें मिला भी। लेकिन खिताब जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, अब उनका अगला टारगेट फैशन डिजाइनर बनना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मॉडलिंग करने वाली महिलाओं और युवतियों को लोग गलत नजरिए से इसलिए देखते है क्योंकि वह बहुत छोटे कपड़े पहनती है और अपना अंग प्रदर्शन करती है। लेकिन वह यह सब क्योंकि कर रही है इस बारे में नहीं सोचते हैं, उनके इन्हीं प्रदर्शन से वह अपना घर व परिवार चला रही है व कैरियर बना रही है।

मिसेस कैटेगरी में जागृति गोठी (मिसेस इंडिया इंटरनेशनल), अंकिता शर्मा (मिसेस इंडिया यूनिवर्स), अर्पिता सिंह (मिसेस इंडिया अर्थ), रश्मि शिन्दे (मिसेस इंडिया आइकन), ममता मोटवानी (क्लासिक मिसेस इंडिया) और मिस कैटेगरी में कंचन मेहरा (मिस इंडिया इंटरनैशनल), अंशु कुमारी (मिस इंडिया अर्थ), प्रिया दास (मिस इंडिया आइकन), देव श्रीवास (मिस्टर इंडिया इंटरनैशनल), वासु गुप्ता (मिस्टर इंडिया आइकन) रहे। निर्णायक के रूप में प्रिया श्रीवास्तव, झिलमिल बैनर्जी, आकांक्षा सिंह राजपूत, दिपांशी घोष, माही, प्रियांशी रही।

घर को व्यवस्थित रखने में माताओं की अहम भूमिका : हेमलता दीदी

रायपुर। अन्तर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। विषय था- स्वस्थ एवं सुखी परिवार में माताओं की भूमिका। समारोह में बोलते हुए ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि परिवार में घर परिवार को व्यवस्थित रखने और सभी सदस्यों की सुख सुविधाओं का ख्याल रखने में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके साथ ही धन का सही ढंग से इस्तेमाल करना उसी पर निर्भर करता है। लेकिन परिवार में माताओं को वह सम्मान नहीं मिल पाता है जिसकी वह हकदार होती है। लोग समझते हैं कि महिलाएं कुछ नहीं करती हैं जबकि पति और बच्चों का व्यवहार उसके साथ कैसा भी हों वह सबका बराबर ध्यान रखती है। बदले में वह किसी से कुछ नहीं मांगती है। माताओं का बहुत बड़ा त्याग यह है कि वह अपना सारा जीवन पति, बच्चों और घर परिवार की चारदिवारी में कैद होकर व्यतीत कर देती है। वह बच्चों को सुसंस्कारित कर लायक बनाती है। दिशा स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रिचा साव ने कहा कि परिवार में सबकी देखभाल माताएं करती हैं। मेरी नजर में माताएं माना ही देखभाल करने वाली। कोई भी व्यक्ति जो कि देखभाल कर रहा है वह माँ की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन के लिए भौतिक शिक्षा के साथ ही अध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी है।

कारगिल के गुप्त मददगार के लिए भारत बना बड़ा सहारा

अभिनय आकाश

इजरायल ने अमेरिकी बमों से गाजा में बेगुनाह लोगों की जान ली है। अगर वो राफा में वो हमले से पीछे नहीं हटा तो हम हथियारों की सप्लाई बंद कर देंगे। 8 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ये चेतावनी इजरालय को लेकर दी गई। फिर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से खबर आई कि अमेरिका ने इजरायल को देने वाले बमों की एक शिपमेंट रोक दी है। इस फैसले को अप्रत्याशित कहा गया। इजरायल हमास जंग के बीच अमेरिका ने पहली बार इतना सख्त कदम उठाया। लेकिन 6 मई की रात जब इजारयल ने राफा ऑपरेशन शुरू कर दिया तो अमेरिका के पास कोई चारा नहीं बचा। अमेरिका ने इजरायल के कुछ हथियारों की शिपमेंट रोक दी है। संकट की घड़ी में फंसे इजरायल की मदद के लिए दोस्त भारत आगे आया है। भारतीय कंपनी अडानी डिफेंस के किलर ड्रोन की सप्लाई करने के बाद भारत की सरकारी रक्षा कंपनी म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड ने इजरायल को विस्फोटक की सप्लाई की है। जब जब हमारे देश पर संकट आया भारत ने इजरायल की मदद की है। हर युद्ध के मौके पर इजरायल ने भारत संग दोस्ती निभाई। ऐसे वक्त में मदद की जब बाकी दुनिया के देशों से उसे बहुत मदद नहीं मिल रही थी। इजरायल ने आगे बढ़ते हुए भारत की मदद का हाथ बढ़ाया। पिछले कुछ महीनों में बाइडेन और नेतन्याहू के बीच तल्खियां बढ़ी हैं। अक्टूबर 2023 से पहले तक दोनों एक दूसरे से मिलने से भी डरते थे। हालांकि जंग शुरू होने के बाद बाइडेन इजरायल पहुंचे और वहां उन्हें अटूट सपोर्ट का वादा किया। लेकिन ये याद दिलाना नहीं भूले की इजरायल को कोई गलती नहीं करनी चाहिए। जैसे जैसे जंग आगे बढ़ी इजरायल की कार्रवाई सवालों के घेरे में आई है। मानवाधिकार के मामले बढ़े हैं। एक बार तो पश्चिमी देशों के छह नागरिकों की मौत हो गई थी, जिसमें एक अमेरिकी भी था। जिसके बाद इजरायल को माफी मांगनी पड़ी थी। अप्रैल में बाइडेन ने एक फोन कॉल के दौरान नेतन्याहू को सीधी चेतावनी दी थी। कहा था कि अगर इजरायल ने संयम नहीं बरता तो हमें मदद भेजने पर विचार करना होगा। इसके बावजूद इजरायल ने अमेरिका की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया। पिछले पांच वर्षों से अडानी समूह भारत में अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है। इसमें इजरायली हथियार कंपनियों और इजरायली रक्षा बलों के लिए ड्रोन और अन्य हथियारों का निर्माण शामिल है। 2018 में अडानी एंटरप्राइजेज (अडानी समूह का प्राथमिक कोयला-खनन व्यवसाय) और एल्बिट सिस्टम्स (इज़राइल का सबसे बड़ा हथियार निर्माता) ने एक संयुक्त उद्यम, अडानी एल्बिट एडवांस्ड सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड लॉन्च किया। इसका पहला ऑर्डर इज़राइल रक्षा बलों के लिए हर्मीस 900 यूएवी बनाना था। एल्बिट इज़राइल रक्षा बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 85त्न ड्रोन बनाती है। हर्मीस 900 इजरायल की कंपनी एलबिट सिस्?टम के साथ मिलकर बनाया गया है। अडानी-एलबिट इज़राइल के बाहर हैदराबाद भारत में एकमात्र हर्मीस 900 उत्पादन सुविधा संचालित करती है। 1999 में कारगिल की लड़ाई के दौरान भारत और इजरायल के बीच सैन्य सहयोग एक नए स्तर पर पहुंच गया। इजरायल ने भारत को खुफिया जानकारी के साथ मोर्टार, निगरानी करने वाले ड्रोन और लेजर गाइडेड बम मुहैया कराए इससे भारत को ये लड़ाई जीतने में मदद मिली। 1999 के करगिल युद्ध में भी इजरायल ने भारत को एरियल ड्रोन, लेसर गाइडेड बम, गोला बारूद और अन्य हथियार बेचे। संकंट के समय इजरायल हमेशा हथियार आपूर्तिकर्ता देश के रूप में स्थापित हुआ। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिकॉर्ड अब संकेत देते हैं कि म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (स्ढ्ढरु) को भी हाल ही में जनवरी 2024 तक अपने उत्पादों को इज़राइल भेजने की अनुमति दी गई है। 18 अप्रैल, 2024 को कंपनी ने फिर से आवेदन किया। इज़राइल से दोबारा ऑर्डर के तहत उन्हीं उत्पादों के निर्यात के लिए। इज़राइल को कंपनी के दूसरे निर्यात की मंजूरी लाइसेंसिंग अधिकारियों द्वारा विचाराधीन है। एमआईएल की स्थापना 2021 में सात अलग-अलग सार्वजनिक उपक्रमों के रूप में 41 आयुध कारखानों के पुनर्गठन और निगमीकरण के हिस्से के रूप में की गई थी। कंपनी के ब्रोशर के अनुसार, एमआईएल सेना, नौसेना, वायु सेना और अर्ध-सैन्य बलों के लिए गोला-बारूद और विस्फोटकों की एक विस्तृत श्रृंखला के उत्पादन, परीक्षण, अनुसंधान एवं विकास और विपणन में लगी हुई है।

संविधान का मखौल उड़ाने वालों की दुहाई

बिक्रम उपाध्याय

अपनी चुनावी व्यस्तता के बीच 11 मई को राहुल गांधी एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। सम्मेलन था संविधान की रक्षा। इसका आयोजन विभिन्न संगठनों ने किया था लेकिन राहुल गांधी को वक्ता के तौर पर संभवत इसलिए बुलाया गया क्योंकि वो बार बार बीजेपी और मोदी पर सवाल उठा रहे हैं कि अगर तीसरी बार वो सरकार में आये तो संविधान बदल देंगे।

संविधान बदल देने से उनका ठीक ठीक आशय क्या है यह तो वही जानें लेकिन भारतीय राजनेताओं के संवैधानिक, लोकतांत्रिक संस्थानों और मूल्यों के प्रति सम्मान के बारे में कोई पहली बार बहस नहीं उठी है। संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मूल्यों के प्रति सम्मान की कमी के आरोप सभी दलों और प्रधानमंत्रियों पर लगते रहे हैं।

भारतीय लोकतंत्र की यह एक बड़ी विडंबना है कि सत्ता में बैठा हर कोई दल संविधान और लोकतंत्र के अन्य स्तंभों को झुकाने की चेष्टा करता रहा है। सत्ता से जुड़े लोगों को संविधान का अतिक्रमण परेशान भी नहीं करता। हाँ, जब वे ही विपक्ष में होते हैं तो संविधान, लोकतंत्र और मूल्यों के प्रति अपने सम्मान का प्रदर्शन करते हैं। अधिकतर ने तो कभी संविधान पढ़ा भी नहीं होता। मोदी सरकार को लेकर विपक्ष कुछ ऐसा ही शोर मचा रहा है।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, कुछ मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के मामले में जेल भेजने, ओबीसी की बहालियों में रुकावट पैदा करने और राजनीतिक दुश्मनी के नाम पर विपक्ष इस चुनाव में जोरदार तरीके से यह प्रचार कर रहा है कि पीएम मोदी संविधान विरोधी हैं। जबकि सत्ता में रहने के दौरान इन्हीं लोगों ने संविधान की भावनाओं के खिलाफ काम किया था।

यह जानना बहुत ही दिलचस्प है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान लागू होने के एक वर्ष के भीतर ही तमिलनाडु के एक वकील की सलाह पर, संविधान में पहला संशोधन लाया गया। इसमें नेहरू सरकार ने 9वीं अनुसूची में डाले गए कानूनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही राज्यों को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान करने का

भी अधिकार दे दिया गया।

भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के तीन और आधार जोड़े गए, जैसे सार्वजनिक व्यवस्था, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध और किसी अपराध के लिए उकसाना। बाद में इन कानूनों का खूब दुरुपयोग हुआ। वरिष्ठ पत्रकार और संविधान के अध्ययनकर्ता राम बहादुर राय कहते हैं कि संविधान का मखौल उड़ाने की शुरुआत ही नेहरू ने की। उन्होंने पहले संविधान संशोधन के लिए कूट चाल चली और बिना अपने सहयोगियों को विश्वास में लिए तब के राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पर दवाब डालकर हस्ताक्षर करवा लिया।

याद किया जाना चाहिए कि 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश को मंजूरी देकर सजायाफ्ता सांसदों को जीवनदान देने की कोशिश की थी। यह अध्यादेश 10 जुलाई 2013 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी एक फैसले को निरस्त करने के लिए लाया गया था। अध्यादेश में यह प्रावधान किया गया था कि यदि कोई निर्वाचित जनप्रतिनिधि अदालत द्वारा अयोग्य ठहराया जाता है तो भी आदेश तीन महीने तक लागू नहीं होगा और यदि इस अवधि के दौरान कोई अपील की जाती है, तो अपील का निपटारा होने तक अयोग्यता पर रोक लगी रहेगी।

बाद में राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से उस अध्यादेश को फाड़ कर कूड़े में फेंक दिया था। उस पर एक प्रधानमंत्री की गरिमा को तार तार करने की आलोचना भी हुई थी। दोष भारतीय लोकतंत्र में नहीं, बल्कि इसको अपने तरीके से चलाने वाले लोगों की है। संविधान में दी गई लोकतांत्रिक प्रथाओं में आम नागरिक को अपनी पसंद के उम्मीदवार चुनने का अधिकार है, लेकिन उमीदवार के चयन में विवेक तो पार्टियों या मतदाताओं का होता है। उसकी कमी के लिए संविधान को दोषी तो नहीं ठहराया जा सकता।

प्रसिद्ध लेखक डॉ बालाजी विश्वनाथन अपने अध्ययन के आधार पर यह दावा करते हैं कि जवाहर लाल नेहरू ने संविधान के मसौदे तैयार करने में काफी दखल दिया था। कश्मीर के मामले में भी संविधान में अलग प्रावधान डलवाने के लिए नेहरू ने ही शेख अब्दुल्ला को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के पास भेजा था। तब डॉ. अम्बेडकर ने एक दम अस्वीकार करते हुए कहा था - अब्दुल्ला, आप चाहते हैं कि भारत कश्मीर की रक्षा करे, भारत कश्मीर का विकास करे और कश्मीरियों को भारत के नागरिकों के समान अधिकार मिले, लेकिन आप नहीं चाहते कि भारत और भारत के किसी भी नागरिक को कश्मीर में कोई अधिकार मिले। मैं भारत का कानून मंत्री हूं। मैं अपने देश के हित के साथ विश्वासघात नहीं कर सकता।

लेकिन नेहरू तब भी नहीं माने और उन्होंने गोपालस्वामी अय्यंगर से मसौदा तैयार करवाया और उसे पारित करने के लिए संसद में अपने पूर्ण बहुमत का इस्तेमाल किया। इसी तरह नेहरू ने पूरी संसद को अंधेरे में रखकर 14 मई 1954 को एक नया प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 35 के रूप में कश्मीर में लागू कर दिया।

1970 का दशक भारत के लोकतंत्र और संविधान के सबसे बुरा समय था। भारत में यह काल इंदिरा गांधी की सत्ता का था। रामबहादुर राय कहते हैं कि अपनी राजनीतिक स्थिति कमजोर होती देख इंदिरा गांधी ने संविधान को अपने हिसाब से तोड़ना मरोड़ना शुरू कर दिया। वे कई संशोधन लेकर आईं। जिससे भारतीय लोकतंत्र की नींव को खतरा उत्पन्न हो गया।

उन्होंने 1971 में संविधान के 24वें संशोधन द्वारा आम नागरिक के मौलिक अधिकारों को कमजोर किया। यह सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतिक्रिया में था जिसमें कहा गया था कि संविधान में निहित मौलिक अधिकारों में बदलाव नहीं किया जा सकता है। फिर 1972 के 25वें संशोधन के जरिए निजी संपत्ति के अधिकार को निलंबित कर दिया गया। सरकार को किसी की भी संपत्ति अपने कब्जे में लेने का अधिकार मिल गया।

इंदिरा गांधी को इतने से भी संतोष नहीं हुआ और 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब इंदिरा गांधी के चुनाव को धोखाधड़ीपूर्ण घोषित किया और चुनाव को रद्द कर दिया तब इंदिरा गांधी ने भारतीय लोकतंत्र को ही निलंबित कर दिया। 1975 के 39वें संशोधन के जरिए भारतीय प्रधानमंत्री को अदालतों के आदेश को ना मानने का अधिकार अपने पास कर लिया और आखिरकर संविधान के सबसे दुर्लभ प्रावधान (अनुच्छेद 352) का इस्तेमाल कर देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। नागरिक अधिकार, संसद और चुनाव सब निलंबित कर दिये गये।

मोदी सरकार पर भी सुप्रीम कोर्ट, राज्य सरकारों, ईसी, आरबीआई, एलआईसी, न्यूट्रल मीडिया और स्वायत इकाइयों की स्वतंत्र कार्यप्रणाली का गला घोंटने का आरोप लगाया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि कुछ कानूनों का इस्तेमाल सिर्फ उन सभी लोगों के खिलाफ ही किया जा रहा है, जो बीजेपी का विरोध करते हैं। ये आरोप चुनावी भी हो सकते हैं। लेकिन यह दायित्व सत्ता पक्ष का ही है कि जनता को आश्वस्त करे कि उसके समय में लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा बनी रहेगी। केवल शब्दों से नहीं, अपने आचरण से भी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद्

यह उपनिषद् सामवेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। योग साधना द्वारा आत्मशक्ति जागरण की प्रक्रिया का इसमें समग्र मार्गदर्शन है। सर्वप्रथम योग के छ: अंगों (आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि) का उल्लेख हुआ है।

तदुपरान्त योग की सिद्धि के लिए आवश्यक देहतत्त्व का ज्ञान, मूलाधार आदि चक्रों का ज्ञान, योनिस्थान (कुण्डलिनी) में परम ज्योति के दर्शन, नाड़ीचक्र, नाड़ी स्थान, नाड़ियों में संचरित प्राणवायु और उनकी क्रियाएँ, प्राणों के साथ जीव की गतिमयता, अजपा गायत्री का अनुसन्धान, कुण्डलिनी द्वारा मोक्ष द्वार का भेदन, तीन बन्ध (मूलबन्ध, जालन्धरबन्ध तथा उड्डियानबन्ध), खेचरी मुद्रा, वज्रोली आदि (विशेष योगसाधना) के लक्षण, महामुद्रा का स्वरूप, प्रणव (कार) जप की विशेष प्रक्रिया, प्रणव एवं ब्रह्म की एकरूपता, प्रणव (?) के अवयव (अ, उ, म) का अर्थ, तुरीयोङ्कार द्वारा अग्रब्रह्म की साधना, प्रणव एवं हंस साधना, कैवल्यबोध- आत्मज्ञान का प्रकाशक प्रणव जप, प्रणव मन्त्रानुष्ठान के साधक के लिए प्राणजय आवश्यक, नाड़ीशुद्धि से प्राणायामसिद्धि, मात्रा नियमपूर्वक प्राणायाम, योगांगों में से प्रत्येक के अलग-अलग फल और उनकी तारतम्यता, षण्मुखी मुद्रा के अभ्यास से नादाभिव्यक्ति, प्राणायाम का अभ्यास, सर्वरोग निवारक, प्राण के निरोधाभ्यास में इन्द्रियों का प्रत्याहार आवश्यक इत्यादि अनेकविध विषयों का बड़ा विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है। नि:सन्देह इस उपनिषद् के अनुसार साधना करने वाला व्यक्ति योग के क्षेत्र में चूड़ामणि (मुकुट) स्तर का बन सकता है। योगपरक उपनिषदों में इस चूड़ामणि उपनिषद् का बड़ा महत्त्वपूर्ण स्थान है। योग चूड़ामणि उपनिषद् को योगियों के हित की कामना से वर्णन करता हूँ, जो योगवेत्ताओं के द्वारा सेवन किया जाने वाला परम गूढ़ तथा कैवल्य (मोक्ष) सिद्धि देने वाला है।

क्रमश: ...

तालाब बुझा सकते हैं सबकी प्यास

पंकज चतुर्वेदी

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसदी हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता है- बारहों महीने, तीसों दिन यहां जेठ ही रहता है।

समझना होगा कि एक अरब 44 करोड़ की विशाल आबादी को पानी देना महज सरकार के जिम्मे नहीं छोड़ा जा सकता। सूखती जल निधियों के प्रति यदि समाज आज सक्रिय हो जाए तो अगली गर्मी में उन्हें यह संकट नहीं झेलना होगा।

यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले दोनों के लिए भरपूर पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे। जब तक हम संभलते तब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था।

भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल-परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल प्रणालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर एक जगह हैं।

हकीकत में तालाबों की सफाई और गहरीकरण अधिक खर्चीला काम नहीं है, न ही इसके लिए भारी-भरकम मशीनों की जरूरत होती है। यह सर्वविदित है कि तालाबों में भरी गाद सालोंसाल से सड़ रही पत्तियों और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के कारण ही उपजी है, जो उम्दा दर्जे की खाद है। रासायनिक खादों ने किस कदर जमीन को चौपट किया है, यह किसान जान चुके हैं और उनका रुख अब कंपोस्ट व अन्य देसी खादों की ओर है।

किसानों को यदि इस खादरूपी कीचड़ की खुदाई का जिम्मा सौंपा जाए तो वे वे सहर्ष राजी हो जाते हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के झालावाड़ जिले में 'खेतों में पालिश करने' के नाम से यह प्रयोग अत्यधिक सफल व लोकप्रिय रहा है।

दो साल पहले केंद्र सरकार ने देश के सभी तालाबों का सर्वेक्षण करवा कर क्रांतिकारी काम किया। उसके बाद अमृत सरोवर योजना के तहत भी देश के कुछ तालाबों की तकदीर बदली है। यह समझना होगा कि जब तक सहेजे गए तालाबों का इस्तेमाल समाज की हर दिन की जल जरूरत के लिए नहीं होगा, जब तक समाज को इन तालाबों का जिम्मा नहीं सौंपा जाता, तालाब की समृद्ध विरासत को स्थापित नहीं किया जा सकता।

केजरीवाल की जमानत और चुनाव

उमेश चतुर्वेदी

कानून और राजनीतिक विज्ञान में पढ़ाया जाता है कि कानून और संविधान के उपबंधों आदि की व्याख्या का अधिकार सिर्फ सर्वोच्च न्यायालय को है। यह भी स्थापित अवधारणा है कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले कानून के समान ही प्रभावी होते हैं। शराब नीति मामले में एक अप्रैल से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उक्त न्यायालय से जमानत मिलने के दूरगामी असर होंगे। यह आने वाले दिनों में ऐसे मामलों में एक कारक बनेगा। दूसरा असर राजनीतिक होगा।

अब केजरीवाल और उनकी पार्टी आक्रामक हो रहे हैं। वे यह नैरेटिव स्थापित करने की कोशिश करेंगे कि भाजपा और मोदी सरकार चूंकि राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ रही है, इसलिए वह अपने विरोधियों को जेल में डाल रही है। केजरीवाल की जमानत का कानूनी प्रभाव दो तरह की वैचारिकी को स्थापित करेगा। कानून और संवैधानिक व्यवस्था यह जताने का कोई मौका नहीं छोड़ती कि कानून के सामने सभी बराबर हैं, पर महज चुनाव प्रचार के लिए जमानत का आधार मोटे तौर पर यही स्थापित करता है कि कानून के सामने बराबरी का दावा कमजोर है। अगर सामान्य आरोपी या व्यक्ति महज चुनाव प्रचार के लिए जमानत पा सकेगा, तो बराबरी की अवधारणा सही साबित होगी।

आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग राजनीतिक हैसियत हासिल कर अपने ऊपर लगी कालिख को मिटाने की कोशिश करते रहे हैं। हर चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग अपनी सियासी किस्मत आजमाते रहते हैं। आने वाले दिनों में ऐसे अपराधी भी केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के आधार पर जमानत मांगेंगे। सवाल यह है कि क्या अदालतें उनके साथ भी केजरीवाल जैसा ही व्यवहार करेंगी या उनकी मांग को खारिज करेंगी।

अगर उन्हें जमानत मिलेगी, तो वे निश्चित तौर पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करेंगे और नहीं मिली, तो इस नैरेटिव को बल मिलेगा कि कानून के सामने विशिष्ट और सामान्य के बराबर होने का दावा खोखला है। केजरीवाल की जमानत वाली सुनवाई के दौरान अलगाववादी अमृतपाल सिंह का मामला भी उठा। अमृतपाल पंजाब में बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी में है। अगर वह चुनाव लड़ता है, तो वह भी इस आधार पर जमानत मांग सकेगा कि चुनाव पांच साल में होते हैं। तब देखना होगा कि अदालतों का क्या रूख रहता है।

बहरहाल, इतना तय है कि ऐसे मामले से निपटना अदालतों के लिए आसान नहीं रहेगा। वैसे प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल की जमानत का विरोध करते हुए अमृतपाल का भी मामला उठाया। यह बात और है कि सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। वैसे शराब नीति मामले में केजरीवाल के सबसे निकट सहयोगी मनीष सिसोदिया जेल में हैं। हो सकता है कि आम आदमी पार्टी मनीष के लिए भी चुनाव प्रचार के लिए जमानत की मांग करे। चूंकि मनीष भी केजरीवाल जैसे ही आम आदमी पार्टी के महत्वपूर्ण नेता हैं, इसलिए वे भी जमानत की मांग कर सकते हैं। सवाल यह हो सकता है कि जब पांच साल में एक बार आने वाले चुनाव के प्रचार के लिए केजरीवाल को जमानत मिल सकती है, तो मनीष को क्यों नहीं।

इस आधार पर झारखंड के मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन के लिए भी जमानत की मांग की जा सकती है। वैसे केजरीवाल भले ही ज्यादा चर्चित हों, लेकिन वे एक केंद्र शासित प्रदेश के मुखिया हैं, जबकि हेमंत सोरेन आम आदमी पार्टी से कहीं ज्यादा पुरानी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता हैं और झारखंड जैसे पूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। इस लिहाज से वे भी चुनाव प्रचार को आधार बनाकर जमानत मांग सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो अदालत का रुख क्या होगा, यह देखने वाली बात होगी। ध्यान देने की एक बात यह है कि चारा घोटाले में सजा काट रहे राजद के नेता लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट पहले से ही जमानत दे चुका है।

उनकी जमानत का आधार चुनाव प्रचार की बजाय उनका स्वास्थ्य रहा है। लालू चूंकि कानूनन ऐसे सजायाफ्ता हैं, जो चुनाव नहीं लड़ सकता, लेकिन उनके चुनाव प्रचार पर रोक नहीं है। लिहाजा वे सीमित तरीके से राजनीतिक हस्तक्षेप कर ही रहे हैं। अपने बयानों के जरिये कम से कम बिहार की राजनीति के लिए लालू केंद्र बिंदु बने ही हुए हैं। लेकिन केजरीवाल का मामला अलग है। चूंकि उन्हें जमानत चुनाव प्रचार के ही आधार पर मिली है, तो यह तय है कि वे न सिर्फ चुनाव प्रचार करेंगे, बल्कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले एनडीए पर राजनीतिक सवालों की बौछार भी करेंगे। केजरीवाल का प्रभाव दिल्ली और पंजाब में है। उन्हें अंतरिम जमानत ऐसे समय में मिली है, जब दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार चरम पर है। केजरीवाल के बाहर आने के बाद इस प्रचार में और गर्मी आयेगी।

केजरीवाल यह भी जताने की कोशिश करेंगे कि भाजपा और मोदी सरकार ने खुद को चुनावी हार से बचाने के लिए उन्हें जेल भेजा था, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें बाहर कर दिया है। केजरीवाल का जैसा राजनीतिक चरित्र रहा है, उससे साफ है कि भाजपा के खिलाफ उनका रवैया आक्रामक होगा, लेकिन वे खुद के लिए हमदर्दी भी हासिल करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने ऐसा करना शुरू भी कर दिया है। वे एक तरफ भाजपा पर हमलावर हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ वे जनता के बीच खुद को दयनीय और कमजोर घोषित करने की कोशिश कर रहे हैं।

केजरीवाल को बेशक अंतरिम जमानत ही मिली है, लेकिन यह तय है कि चुनाव मैदान में उनकी उपस्थिति न सिर्फ उनकी पार्टी, बल्कि इंडिया गठबंधन के लिए भी मददगार होगी। लिहाजा अब समूचे इंडिया गठबंधन के आक्रामक होने के आसार बढ़ गये हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह आक्रामक प्रचार और रणनीति बनाने के उस्ताद माने जाते हैं। ऐसे में देखना यह होगा कि केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद बदले राजनीतिक अंदाज और समीकरण की चुनौती से किस तरह जूझते हैं।

यह भी देखना होगा कि मोदी और शाह की जोड़ी किस रणनीतिक अंदाज में नयी राजनीति का मुकाबला करती है। माना तो यह जा रहा है कि केजरीवाल की रिहाई के बाद भाजपा का रूख रक्षात्मक हो सकता है, हालांकि अमित शाह का अंदाज आक्रामक ही रहता है। ऐसे में चुनावी मैदान के नये दांव-पेच और उस पर जनता के रूख को देखना दिलचस्प होगा। अरविंद केजरीवाल की जमानत के बाद के हालात में दिल्ली और पंजाब में चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा, इसके लिए तो चार जून यानी चुनाव नतीजों के दिन तक इंतजार करना होगा।

आज का इतिहास

1940 द्वितीय विश्व युद्ध-डच सेनाओं के थोक ने नीदरलैंड की लड़ाई को समाप्त करते हुए, वेहरमाच के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

1941 36,000 परशियन यहूदी को गिरफ्तार किया गया।

1943 द्वितीय विश्व युद्ध: क्वींसलैंड के तट पर एक जापानी पनडुब्बी द्वारा ऑस्ट्रेलियाई अस्पताल शिप सेंटोर पर हमला किया गया और डूब गया, जिसमें 268 लोग मारे गए।

1948 डेविड बेन-गुरियन ने सार्वजनिक रूप से तेल अवीव में वर्तमान में स्वतंत्रता हॉल में इज़राइली घोषणा की आधिकारिक तौर पर पढ़ा, आधिकारिक तौर पर फिलिस्तीन के पूर्वब्रिटिश जनादेश के कुछ हिस्सों में एक नए यहूदी राज्य की स्थापना की।

1948 इजराइल ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।

1951 वेल्स में टैलीलिन रेलवे दुनिया का पहला रेलवे बन गया, जिसे स्वयंसेवकों द्वारा संरक्षित किया गया, जब इसे 14 मई, 1951 को व्हार्फ और रिहाइड्रोन स्टेशनों के बीच चलने वाली ट्रेनों के साथ फिर से खोला गया।

1955 सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक और अन्य सात देशों के संघ ने 14 मई, 1955 को वारसा संधि की स्थापना की। यह शीत युद्ध की अवधि के दौरान मध्य और पूर्वी यूरोप के आठ देशों के बीच एक सामूहिक रक्षा संधि थी। चेकोस्लोवाक राष्ट्रपति ने 1 जुलाई, 1991 को वारसा संधि संगठन को औपचारिक रूप से भंग कर दिया।

1961 एनिस्टन, अलबामा, अमेरिका में, कू क्लक्स क्लैनमेन की भीड़ ने फ्रीडम राइडर्स की बसों पर हमला किया, जो स्थानीय अलगाव कानूनों को चुनौती देने के लिए मिश्रित नस्लीय समूहों में अंतरराज्यीय बसों की सवारी कर रहे थे।

1963 कुवैत संयुक्त राष्ट्र का 111वां सदस्य बना।

1969 कर्नल मुअम्मर गद्दाफी मक्का सऊदी अरब का पहुंचा।

1973 स्काईलैब संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला अंतरिक्ष स्टेशन था जिसे 14 मई 1973 को नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) द्वारा लॉन्च किया गया था। इसने 1973 से 1979 तक पृथ्वी की परिक्रमा की।

1973 नासा के स्पेस स्टेशन स्काईलैब को केप कैनावेरल से लॉन्च किया गया था।

1973 अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सेना में महिलाओं के समान अधिकार को मंजूरी दी।

1984 ऑस्ट्रेलिया में एक डॉलर का सिक्का पेश किया गया।

चौथे चरण में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों की प्रतिष्ठा दांव पर

समीर चौगांवकर

13 मई को चौथे चरण में 10 राज्यों की कुल 96 सीटों पर मतदान हुआ। चौथे चरण में आंध्रप्रदेश और तेलंगाना की सभी सीटों के साथ ही बिहार की 5, झारखण्ड की 4, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, ओडीसा की 4, उत्तर प्रदेश की 13, पश्चिम बंगाल की 8 और जम्मू कश्मीर की 1 सीट पर मतदान हुआ। आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा का चुनाव भी हो रहा है। इसमें तेलगूदेशम पार्टी, बीजेपी और पवन कल्याण की जनसेना का गठबंधन एक तरफ है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस, सीपीएम और सीपीआई का गठबंधन है। इन दोनों गठबंधनों की चुनौती का सामना सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी कर रहे हैं।

जगनमोहन रेड्डी अपनी 9 रत्न वेलफेयर स्कीम्स के भरोसे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू सुपर सिक्स वेलफेयर स्कीम्स और मोदी मैजिक के दम पर सत्ता में आने की उम्मीद कर रहे हैं। लोकसभा सीटों पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को 13 से 15 और टीडीपी और बीजेपी गठबंधन को 10 से 11 सीटें मिल सकती है। जगन मोहन की बहन वाईएस शर्मिला के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भी कांग्रेस का खाता खुलना मुश्किल है। वहीं आंध्र प्रदेश से टूटकर बने तेलंगाना में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच दिख रहा है। हालांकि विधानसभा चुनाव बुरी तरह हारकर सत्ता से बाहर हुए बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उनके एक दो सीट से ज्यादा जीतने की संभावना नजर नहीं आती है। भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 18 से 38 फीसदी हो सकता है जिसके साथ वह 7 से 8 सीटें जीत सकती है। विधानसभा में 40 फीसद वोट पाने वाली कांग्रेस भी 7 से 8 सीट जीत सकती है। बीआरएस को एक सीट मिलती दिख रही है।

बिहार की दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर (एससी), बेगूसराय और मुंगेर की सीटें चौथे चरण में शामिल हैं। उजियारपुर सीट पर महागठबंधन की ओर से कुशवाहा जाति के आलोक मेहता के सामने एनडीए से नित्यानंद राय मैदान में है जो यादव जाति से हैं। समस्तीपुर सीट चिराग पासवान की पार्टी हार सकती है। दरभंगा से लगातार दूसरी बार भाजपा के गोपाल जी ठाकुर की जीत तय है। मुंगेर सीट से नीतीश के करीबी और पूर्व अध्यक्ष लल्लन सिंह को अशोक महतो की पत्नी अनिता कड़ी चुनौती दे रही हैं। अशोक महतो के जेल से छूटने पर लालू प्रसाद ने कहा था कि जाओ शादी कर लो, तुम्हारी पत्नी को टिकट दे देंगे। अशोक महतो ने चट मंगनी पट ब्याह कर लिया और लालू ने उनकी पत्नी को मुंगेर से टिकट भी दे दिया। मुंगेर भूमिहार बाहुल्य सीट है। ललन भी भूमिहार हैं। राजद से उम्मीदवार अनिता देवी धानुक हैं और उनके पति अशोक महतो कुर्मी हैं। दोनों जातियों के वोट भी अच्छे खासे हैं। जहां तक बेगूसराय सीट की बात है तो वहां फिलहाल भाजपा के गिरिराज सिंह को कोई चुनौती दिख नहीं रही है।

झारखंड में चौथे चरण से चुनाव शुरू हो रहा है। झारखंड की 4 सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदग्गा और पलामू में चौथे चरण में मतदान होगा। पलामू सीट से भाजपा के बीडी राम का फिर से सांसद बनना मुमकिन लग रहा है। लोहरदग्गा सीट से भाजपा ने सिंटिग सांसद सुदर्शन भगत का टिकट काटकर समीर उरांव को उतारा है। खूंटी लोकसभा सीट से एक बार फिर केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और कांग्रेस के कालीचरण मुंडा का मुकाबला है। इस सीट पर 2019 में कांग्रेस सिर्फ 1445 वोट से हारी थी। 2019 में कांग्रेस की झारखंड से जीती एकमात्र सीट सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा अब भाजपा से मैदान मे है। कांग्रेस ने यहां से मंत्री जोबा मांझी को उतारा है। सीएम चंपई सोरेन की प्रतिष्ठा इस सीट से जुड़ी हुई है क्योंकि सीएम चंपई सोरेने जिस सरायकेला विधानसभा सीट से विधायक हैं वह इसी सिंहभूम लोकसभा सीट में आती है।

मध्यप्रदेश की 8 सीटों देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन, खंडवा में भी चौथे चरण का मतदान होना है। मालवा क्षेत्र से आने वाली इन सीटों पर भाजपा की पकड़ मजबूत है। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नाम वापस लेकर भाजपा को वाकओवर दे दिया है। रतलाम सीट पर कांग्रेस मैदान में दिख रही है। बाकी सीटों पर एकतरफा चुनाव है।

चौथे चरण में महाराष्ट्र की 11 सीटें औरंगाबाद, नंदुरबार, जलगांव, रावेर, जालना, मावल, पुणे, शिरूर, अहमदनगर, शिर्डी और बीड में मतदान होगा। यहां भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिव सेना का मुकाबला उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस से है। यहां उद्धव भारी पड़ते दिख रहे हैं। मराठा आरक्षण का असर इन सीटों पर दिखना तय है। ओबीसी भी इन सीटों पर प्रभावशाली है। ऐसे में भाजपा के सामने मराठा और ओबीसी दोनों को साधने की चुनौती होगी।

उड़ीसा में चौथे चरण में पहली बार मतदान हो रहा है। उड़ीसा की 4 सीटें कालांहाडी, नवरंगपुर, बेहरामपुर और कोरापुट शामिल हैं। ये सभी नवीन पटनायक की मजबूत पकड़ वाली सीटें हैं लेकिन इस बार भाजपा पटनायक की पार्टी को कड़ी चुनौती पेश कर रही है। नवीन पटनायक के कुछ नेताओं के पाला बदलने से भाजपा को लाभ मिल रहा है लेकिन फिर भी पलड़ा नवीन का ही भारी है। उड़ीसा में भी लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक का फिर से लौटना तय है।

चौथे चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश की 13 सीटें शामिल हैं। ये हैं शाहजंहापुर, खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई, मिश्रिख, उन्नाव, फरूखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर और बहराइच। कन्नौज से खुद अखिलेश यादव मैदान में हैं। यहां कुछ सीटों पर भाजपा को बसपा और सपा से चुनौती मिल रही है लेकिन मोदी और योगी की लोकप्रियता सब पर भारी पड़ती दिख रही है। सपा कन्नौज, शाहजंहापुर, खीरी और हरदोई में चुनौती पेश कर रही है। बसपा के उम्मीदवार उतारने के बाद भी भाजपा के लिए इस बार जीत की राह 2019 जैसी आसान नहीं है। कुछ सीटों पर हार जीत का मार्जिन 5 प्रतिशत से भी कम रह सकता है।

पश्चिम बंगाल की जिन आठ सीटों पर मतदान होना है उनमें आसनसोल, कृष्णानगर और बहरामपुर अहम है। बाबूल सुप्रियो के भाजपा और आरनसोल सीट छोडने के बाद भाजपा इस सीट को हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। बहरामपुर सीट पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी को टीमएसी के टिकट पर लड़ रहे यूसुफ पठान कड़ी चुनौती दे रहे हैं। भाजपा ने कृष्णानगर से महुआ मोइत्रा को हराने के लिए राजघराने की अमृता राय को उतारा है। बर्धमान दुर्गापुर सीट पर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष कड़े संघर्ष में फंसे हैं। बीरभूम से टीएमसी की शताब्दी रॉय की जीत तय है। मतुआ बाहुल सीट रानाघाट को भाजपा 2019 में जीत चुकी है हालांकि इस बार टीएमसी ने यहां भाजपा के लिए कड़ी चुनौती पेश की है।

चौथा चरण राष्ट्रीय पार्टियों के साथ साथ क्षेत्रीय पार्टियों के लिए भी बेहद महत्व का है। कांग्रेस को तेलंगाना से उम्मीद है, वहीं भाजपा को भरोसा है कि वह उड़ीसा विधानसभा चुनाव में सरकार बना सकती है। बहरहाल कम मतदान के बीच चौथा चरण सभी दलों के लिए करो या मरो का संघर्ष बना हुआ है।

नेताओं के दांव-पेंच सब जनता देख रही है!

गिरीश्वर मिश्र

इस बार देश में चल रहा चुनावी महाभारत कुछ ज्यादा ही लंबा खिंच रहा है और कई महारथी पसोपेश में पड़ते दिख रहे हैं। सेनापतियों पर शामत आ रही है कि वे अपनी-अपनी सेना को कैसे संभालें? तेज गर्मी और लू के मौसम में महीने भर से कुछ ज्यादा चलने वाले गणतंत्र के इस लोक-उत्सव में राजनैतिक पार्टियों को बीच-बीच में सांस लेने का अवसर मिल पा रहा है यह कुछ राहत की बात है। पर 'स्टेमिना' बनाए रखने के लिए जरूरी राजनैतिक दांवपेंच कम पड़ रहे हैं और कई दलों की तैयारी कुछ ढीली पड़ती नजर आ रही है। चूंकि बहुत से नेता ऊपर से थोपे हुए हैं, उनकी जन-रुचि बेहद सतही होती है और उनके खोखले हो रहे जन-लगाव की पोल जल्दी ही खुलती जाती है। ऐसे में नेताओं में थोड़ी देर के लिए ही सही, सार्थक प्रयोजन खोजने का दबाव और बेचैनी बढ़ती जा रही है। इस प्रयास में वे तथ्यों को तोड़मोड़ कर और इतिहास की यथेच्छ प्रस्तुति और व्याख्या करने में जुट जाते हैं। अपने सामने वाले को पटखनी देने, कमजोर साबित करने और वोट काटने के लिए नए-नए पैंतरे ढूंढ़ते रहना उनके लिए मजबूरी हो गई है। नेताओं के भाषण सुनने पर यह बात साफ हो जाती है कि राजनीति की भाषा अटपटी होती जा रही है। सामाजिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह नेता को जिताने और उसके एवज में कुछ लाभ देने तक सारी बातचीत चुक जाती है। आपसी असहिष्णुता बढ़ रही है और एक-दूसरे के प्रति आदर और सम्मान की जगह अपमानजनक और चिढ़ाने वाली भाषा के उपयोग की ओर नेताओं का रुझान बढ़ रहा है। आए दिन चुनावी हिंसा की वारदात भी सुर्खियों में होती है। चुनाव के दौरान होने वाली घटनाओं के जरिये जो इतिहास बन रहा है वह भी अपना अतिरिक्त असर डाल रहा है। लोग एक पार्टी छोड़ दूसरी पार्टी का दामन पकड़ रहे हैं और टिकट बटोर रहे हैं। जनता को नासमझ मान नेतागण अपनी ओर से सिखाने-पढ़ाने की हरसंभव कोशिश करते हैं। उनकी बेतुकी बातचीत और हरकतें आम आदमी को दुखी भी करती हैं। नेताओं के विचारों, नीतियों और आचरणों में आपसी संगति को खोजना मुश्किल हो रहा है। जैसे-जैसे राजनीतिक मंच पर लगा पर्दा सरक रहा है, एक-एक कर अजीबोगरीब दृश्य सामने आ रहे हैं। अब सीट कब्जाने का कोई सीधा गणित नहीं रहा। जनतंत्र का जन तो जनता के पास है पर तंत्र राजनेताओं के पास जा चुका है। वे तंत्र का उपयोग कर जन पर वशीकरण मंत्र चलाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। जनता कभी चकित दिखती है तो कभी मुग्ध, पर शायद धोखे में पड़ना अब जनता की मजबूरी नहीं रहेगी। जनता सब कुछ गौर से देख रही है।

कांग्रेस की कमजोरी का नुकसान भुगत रहे मोदी

संजय तिवारी

कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दस साल पहले नरेन्द्र मोदी ने ही दिया था। लेकिन आज दस साल बाद संभवत- नरेन्द्र मोदी को ही कांग्रेस की कमजोरी खल रही है, इसलिए वह खुद इस आम चुनाव को भाजपा बनाम कांग्रेस बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहा जाता है कि मजबूत विपक्ष सशक्त लोकतंत्र के लिए जरूरी होता है। यह विपक्ष पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह जितना मजबूत होता है, पार्टी का लीडर उतनी ही कम गलतियां करता है और लोकमानस में गहरे बैठ पाता है।

लेकिन यह मोदी का सौभाग्य ही कहा जाएगा कि दो बार के कार्यकाल में उनके नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला जिसके कारण विपक्ष तो साफ हुआ ही, पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों का अकाल हो गया। इस परिस्थिति ने संभवत- उन्हें इस मन-स्थिति में पहुंचा दिया कि वो जो करते हैं बिल्कुल सही करते हैं और उनके हर किये को जनता का समर्थन हासिल है। एक बार तो संसद में खड़े होकर उन्होंने कहा भी था कि मोदी को और कुछ समझ आता हो या न आता हो लेकिन राजनीति तो समझ में आती है। जब वो ऐसा बोल रहे थे तो उनका इशारा उसी कांग्रेस की ओर था जिससे भारत को मुक्त कराने के लिए 2014 में उन्होंने गांधीनगर से दिल्ली कूच किया था। लेकिन आज दस साल बाद जिस तरह से खुद नरेन्द्र मोदी पूरे चुनाव को भाजपा बनाम कांग्रेस बनाने में लगे हुए हैं उससे इतना तो साफ हो जाता है कि भारत प्रचंड बहुमत वाली किसी इकलौती राष्ट्रीय पार्टी का लोकतंत्र नहीं हो सकता। केन्द्र में सदैव दो सशक्त दावेदार ही इस देश के लोगों का समुचित प्रतिनिधित्व कर पायेंगे और लोकतंत्र को मजबूती दे पायेंगे। मोदी ने ही यह चूक की हो ऐसा नहीं है। सत्ता और सफलता का ऐसा प्रभुत्व होता है कि जो इसे पा लेता है वह अपने अलावा बाकी सबके अस्तित्व को खत्म करने का ख्वाब देखने लगता है। अस्सी नब्बे के दशक में जब भाजपा कांग्रेस का विकल्प बनकर उभर रही थी तब कांग्रेस ने उसे गहरे गड्ढे में दबा देने के हर संभव उपाय किये थे। इसी संसद में जहां आज कांग्रेस इतनी

सीटें भी नहीं जीत पा रही है कि उसे नेता विपक्ष का पद मिल जाए, वहीं बैठकर उसने चुनी हुई कई बीजेपी सरकारों को उखाड़ फेंका था। उस समय कांग्रेस अहंकार के शिखर पर थी। उसके पास सत्ता थी। उसे कभी लगता ही नहीं था कि चालीस साल से केन्द्र की सरकार चलानेवाली कांग्रेस की कभी ऐसी दुर्दशा भी हो जाएगी कि उसे पचास सीट के लिए भी लाले पड़ जाएंगे। आज उत्तर भारत में हालात यह हैं कि यूपी बिहार से कांग्रेस का लगभग नामो निशान मिट चुका है। बाकी बचे हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ में कांग्रेस जमीन पर जरूर बची हुई है लेकिन बची खुची कांग्रेस मोदी से लड़ने की बजाय आपस में लड़ने से फुर्सत नहीं पा रही है।

गुजरात में तो हालात ऐसे हैं कि सिर्फ मार्जिन की लड़ाई चल रही है। लोग यह चर्चा कर रहे हैं कि इस बार कांग्रेस कितने बड़े अंतर से हारती है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और पूर्वोत्तर से भी कांग्रेस का लगभग सफाया ही हो चुका है। अगर दो चार सीटें वो जीत भी जाते हैं तो इसे उनकी मेहनत की बजाय उनका भाग्य या दूसरे दलों के चुनावी गणित का गड़बड़ाना ही कहा जाएगा। हां दक्षिण में जरूर कांग्रेस ने अपनी खोई जमीन वापस पायी है और आज भी बीजेपी के लिए दक्षिण द्वार अभेद्य बना हुआ है। अविभाजित आंध्र प्रदेश से राजशेखर रेड्डी ने कांग्रेस की जो वापसी करवाई तो आज तेलंगाना और कर्नाटक में वह सरकार में है। कांग्रेस कैडर आधारित पार्टी नहीं है। वह लीडर आधारित पार्टी है। इसलिए राजशेखर रेड्डी हों, डीके शिवकुमार हों या फिर रेवंत रेड्डी। जैसे ही उनके खेमे में कोई करिश्माई नेता उभरता है कांग्रेस सत्ता में वापसी कर लेती है।

फिर भी कांग्रेस का दुर्भाग्य यह है कि इंदिरा, संजय और राजीव गांधी की मौतों के बाद से ही केन्द्रीय स्तर पर उसके पास करिश्माई नेता का अभाव रहा है। राहुल गांधी या प्रियंका गांधी में कोई ऐसा करिश्मा नहीं है कि वह भारत के लोगों को पसंद आने लगें। दोनों ही पचास साल की उम्र में उस राजपरिवार के बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं जो अपने राजवंश के बारे में तो बहुत कुछ जानता है लेकिन उस राज्य के बारे में कुछ खास नहीं जानता जहां उनका शासन रहा है।

इसके बावजूद अगर इस चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बयान चर्चा में आ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि खोटे सिक्के भी बाजार में चलने के लिए इसलिए तैयार हैं कि खरे सिक्के की खनक खाना खराब कर रही है। यूपी, बिहार और गुजरात को छोड़ दें तो उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस 2019 से बेहतर प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में वो पहले से ही मजबूत स्थिति में हैं।

इसलिए तमाम आंतरिक कमियों और कमजोरियों के बावजूद अगर कांग्रेस इस बार नेता विपक्ष का पद पाने लायक सीटें जीत जाती है यह न केवल स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बल्कि खुद नरेन्द्र मोदी और भाजपा के लिए भी एक शुभ समाचार ही कहा जाएगा। संभवत- यही कारण है कि खुद नरेन्द्र मोदी अपने 10 साल की सरकार की उपलब्धियां गिनाने के बजाय कांग्रेस की कमियां गिना रहे हैं जो दस साल से नेता विपक्ष का पद पाने लायक भी नहीं थी। सैम पित्रोदा के एक पिद्दी से बयान को लेकर जिस तरह पीएम मोदी सहित पूरी भाजपा ने मुद्दा बनाने की कोशिश की, उससे यह संकेत मिलता है कि मोदी या भाजपा को अपनी जीत के लिए कांग्रेस का मौजूद होना कितना जरूरी लग रहा है। जबकि सैम पित्रोदा न तो देश में कांग्रेस के नेता हैं और न ही वो यहां की राजनीति करते हैं। वो अमेरिका में रहते हैं और वहीं ओवरसीज कांग्रेस का काम देखते हैं। लेकिन उनके बयान को आधे अधूरे तरीके से मुद्दा बनाने की कोशिश की गई ताकि भाजपा अपनी उपलब्धियों के बजाय कांग्रेस की कमजोरियों को उभारकर जीत का रास्ता साफ कर सके।

मतदान के प्रति उदासीनता क्यों?

अनिल तिवारी

मौजूदा चुनाव में मतदान के दो सबसे बड़े नकारात्मक पक्ष उभर कर आ रहे हैं। पहला यह कि यह एक खामोश चुनाव है। दूसरे, इसमें अब तक मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी नहीं हुई है। तीन चरणों के चुनाव में कुल मिलाकर लगभग 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। सामान्यतया यह माना जाता है कि किसी भी चुनाव में मतदाता का उत्साह दो स्थितियों में लहर पैदा करता है। एक जब चली आ रही सत्ता को बेदखल करना होता है और दूसरे जब किसी नए नेता या दल को राजपाट सौंपना होता है। इस बार यह दोनों बातें नहीं है। जैसे चल रहा है, चलने दिया जाए अथवा जो होना है, वह हो ही जाएगा को ब्रह्म सत्य मानकर मतदाता अपना काम धंधा रोक कर चिलचिलाती धूप में पसीना बहाने को तैयार नहीं है।

दरअसल चुनावी प्रक्रिया में दिन प्रतिदिन आम लोगों की भागीदारी कम होने के चलते वोटो का प्रतिशत गिर रहा है, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। लोकतंत्र की अवधारणा के पीछे मंशा थी कि बहुमत का शासन होगा, परंतु आज वोटों के आधार पर प्राप्त बहुमत सीटों का शासन बनकर रह गया है। पिछले चुनाव में भाजपा को कुल 39 प्रतिशत वोट मिले थे लेकिन उसे और उसके गठबंधन को 300 से अधिक सीटें प्राप्त हुई थी। पिछले चुनाव में 67 प्रतिशत वोटरों ने अपने मत का प्रयोग किया था। यानी कि 33 प्रतिशत मतदाता ऐसे थे जो वोट देने बूथ पर गए ही नहीं। वर्तमान चुनाव में भी ऐसा वातावरण निर्मित हो गया है कि लोग मतदान के लिए बहुत उत्सुक नहीं है। चुनाव प्रचार के कई फुटेज में देखने को मिला है कि उम्मीदवार मतदाताओं के पास वोट मांगने गए और मतदाता ताश के पत्ते फेंटने में मशगूल पाए गए। वे पलट कर उम्मीदवार की तरफ देखने की भी जहमत नहीं उठाते। इस तरह के दृश्यों से देश के लोकतंत्र से मतदाताओं के अलगाव का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

सवाल यह उठता है कि मतदान के प्रति लोग उदासीन क्यों हो रहे हैं या इसको बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों को क्या प्रयास करना चाहिए। यह सही है कि मौजूदा चुनाव मौसम के लिहाज से अभूतपूर्व स्थिति में हो रहा है क्योंकि पूरा देश 40 से लेकर 45 डिग्री तापमान की गर्मी झेल रहा है। गर्मी के कारण भी बहुत लोग बूथ तक नहीं जा रहे हैं लेकिन इसके लिए जो अन्य महत्वपूर्ण कारण है उनमें दो प्रमुख है। पहला कारण पलायन का है

जबकि दूसरा राजनीति में लोगों की घटती हुई रुचि का।

हिंदी क्षेत्र की बड़ी आबादी रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेशों में पलायन कर जाती है इसलिए मतदान के दिन वह अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित नहीं हो पाती। वोट प्रतिशत कम होने का इसे महत्वपूर्ण कारण माना जाना चाहिए। प्रवासियों के मतदान में हिस्सा लेने के लिए चुनाव आयोग डिजिटल मोड में चुनाव कराने पर बहुत पहले से विचार कर रहा है। जनवरी 2022 में मुख्य चुनाव आयुक्त ने राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को रिमोट वोट देने की प्रक्रिया बताने के लिए आयोग में डेमो दिया था, जिसमें बताया गया कि देश में कुल 45 करोड़ लोग ऐसे हैं जो अपने गृह जनपद में न रहकर विभिन्न कारणों से दूसरे जिलों और प्रदेशों में रहते हैं और चाहते हुए भी वोट के लिए उपस्थित नहीं हो पाते। वर्ष 2023 में कानून मंत्री किरण रिजुजू ने राज्यसभा में बताया था कि रिमोट वोट देने के बारे में विभिन्न पक्षों को इसकी व्यावहारिकता पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया। हालांकि रिमोट वोटिंग लागू करने के पूर्व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 एवं 1951 के उपबंधों में संशोधन की आवश्यकता होगी, लेकिन विशेषज्ञों की राय है कि आज जब डिजिटल प्रणाली से चुनाव प्रक्रिया यानी ईवीएम पर उठे सवालों पर उच्चतम न्यायालय ने अंतिम रूप से मोहर लगा दी है तो रिमोट वोट डालने का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है।

अब बात करते हैं चुनाव के प्रति लोगों की घटती रुचि का। हमारे देश में आज भी अधिकांश लोग राजनीति को सकारात्मक नजरिए से नहीं देखते। अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि राजनीति और चुनाव कुछ गिने-चुने लोगों का धंधा बनकर रह गया है। यही वे लोग हैं जो जब कभी चुनाव आता है और मतदान देने की बात होती है तो रामायण की चौपाई पढ़ने लगते हैं कि कोई नृप होहि हमें का हानि, चेरि छोड़ि होइब ना रानी।

दरअसल गांव से लेकर शहर तक राजनीतिकों का एक ऐसा पेशेवर वर्ग बन गया है जिसने ग्राम पंचायत से लेकर राज्य विधान मंडलों एवं संसद तक हर तरह के चुनाव को संचालित एवं नियंत्रित करने का पेशा बना लिया है। इसके चलते एक बड़ी आबादी राजनीतिक प्रक्रिया से खुद को अलग महसूस करने लगी है। इसमें राजनीतिक दलों की भी अपनी भूमिका है। पहले राजनीतिक दल विशेष अभियान चलाकर आम लोगों को दलों से जोड़ने का काम करते थे। जिन कार्यकर्ताओं को जोड़ते थे, उन्हें अपने विचारों और कार्यक्रमों से प्रशिक्षित भी करते थे, जिससे कि उनका राजनीतिक करण होता था। अब राजनीति केवल पैसों और मैनेजमेन्ट का खेल बन गई है।

पंचायत चुनाव से लेकर संसदीय चुनाव तक जिसके पास धन बल होता है वहीं चुनाव लड़ने की योजना बना पाता है। राजनीतिक दलों द्वारा टिकट के लिए पैसे लेने की भी खबरें आती रहती हैं। वोटो की ठेकेदारी भी शुरू हो गई है। वोटों के ठेकेदार किसी प्रत्याशी को आम मतदाता से सीधे संपर्क में आने से रोकने का हर संभव प्रयास करते हैं। चुनाव में बिचौलियों की तो चांदी हो गई है लेकिन चुनाव लड़ रहे नेता और मतदाता कार्यकर्ता के बीच सीधा संपर्क संवाद लगातार घटता जा रहा है।

इस आग में मीडिया के बढ़ते दखल ने घी का काम किया है। प्रौद्योगिकी ने मीडिया की पहुंच और उसकी रफ्तार इतनी तेज कर दी है कि मतदाता सूचनाओं की बौछार से आक्रांत है। मतदाताओं के पास इस गति से राजनीतिक सूचनाएं दागी जा रही हैं कि वह कोई अर्थपूर्ण राजनीतिक फैसला लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। भेड़ बकरियों की तरह मतदाताओं को एक निर्णय की तरफ धकेला जा रहा है। इस काम में बाजार भी बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे रहा है। एआई और डीप फेक ने रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के बीच के फासले को अत्यंत कम कर दिया है जिसने अर्धसत्यों के राजनीतिक इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है।

ऐसे में किनारे बैठ वाली मुद्रा से बाहर निकाल कर नागरिक समाज को समझना होगा कि मतदान लोकतंत्र की मजबूती और विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है। कैसे भी हो, विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, मीडिया, राजनीतिक दल, प्रबुद्ध नागरिक समाज सब मिलकर समावेशी सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण निर्मित करने के लिए आगे आएंगे तभी हम मतदाता के मन में दायित्व के प्रति निष्ठा का भाव भर सकेंगे, और वह लोकतंत्र के लिए शुभ होगा।

चुनावी मुद्दों समेत भारतीयता की विकृत व्याख्या

कमलेश पांडे

दुनिया का सबसे बड़ा और सर्वाधिक सफल लोकतंत्र समझा जाने वाला भारतीय लोकतंत्र में कतिपय नेताओं द्वारा वक्त-वक्त पर किस प्रकार से जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, पहाड़, मैदान, तुष्टीकरण और नस्लीय वैचारिक विकृति पिरोयी गई, यह राजनैतिक और सामाजिक शोध का विषय है। क्योंकि सिर्फ बहुमत प्राप्ति की गरज से नेताओं ने जिन नीतिगत उलटबांसियों को तवज्जो दी, उससे शांतिपूर्ण और सहिष्णु भारतीय समाज का बहुत बड़ा अहित हुआ है। वहीं, इन बातों का दुष्प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ा है।सच कहूं तो ऐसे नेताओं की शतरंजी सियासी चालों से न केवल क्षेत्रीयता बल्कि राष्ट्रीयता का भाव भी प्रभावित हुआ है। वहीं, परिवारवाद और सम्पर्कवाद के खेल ने सियासी स्थिति-परिस्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि एनआरआई बुद्धिजीवी सैम पित्रोदा ने भारतीयता की जो शर्मनाक व्याख्या की है, वह आम चुनाव 2024 को आने वाले दिनों में एक नई दिशा देगी। उनके हालिया बयानों से जो बहस छिड़ेगी, उसका उत्तर देना बिल्कुल आसान नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले शायद ही किसी ने विभिन्न रूप रंग वाले भारतीयों को ऐसी उपमा दी हो। जो बेतुकी ही नहीं, बल्कि आपत्तिजनक भी है। इसलिए आशंका है कि गत तीन चरणों के चुनावों में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन को जो तवज्जो मिली, वह चौथे चरण से प्रभावित भी हो सकता है। सैम पित्रोदा के शब्दों में, हम भारत जैसे विविधता से। भरे देश को एकजूट रख सकते हैं। जहाँ पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब और उत्तर के लोग गोरों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सब भाई-बहन हैं। भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा भिन्न हैं, लेकिन भारत के लोग एक दूसरे का सम्मान करते हैं। इससे पहले उन्होंने कहा है कि, हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह रहे हैं। देखा जाए तो भारतीयों की पहचान को विदेशी मूल से जोड़कर देखने का सैम पित्रोदा ने जो दुस्साहस किया है, उससे आगबबूला हुई भाजपा ने उनके बेतुके बयान को ही चुनावी मुद्दा बना दिया। पार्टी का आरोप है कि धर्म के आधार पर हुए राष्ट्र विभाजन के पश्चात अब चमड़ी व रंग के आधार पर कांग्रेस देश को बांटने की साजिश रच रही है। समझा जाता है कि उनके बयान के बाद बैक फुट पर दिखाई पड़ी कांग्रेस को राजनैतिक धर्मसंकट से बचाने के लिए उन्होंने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया, जिसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वीकार कर लिया गया है, जो कि बड़ी बात है। वहीं, कांग्रेस ने उनकी टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि भारत की विविधता को चित्रित करने के लिए एक पॉडकास्ट में पित्रोदा द्वारा दी गई उपमाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। बता दें कि पिछले दिनों भी सैम पित्रोदा ने भारत में अमेरिका की तर्ज पर विरासत टैक्स की पैरवी कर कांग्रेस की खूब किरकिरी कराई थी। उससे पहले वह यह भी कह गए थे कि अयोध्या में निर्मित राम मंदिर भारत के विचार के विपरीत है। यदि पिछले तीनों लोकसभा चुनावों यानी 2014, 2019 और 2024 में कतिपय कांग्रेसी नेताओं के बयानों पर गौर किया जाए तो मणिशंकर अय्यर, शशि थरूर से लेकर सैम पित्रोदा तक पार्टी नेताओं की ऐसी फेहरिस्त है, जिनके बयानों से पीएम मोदी की सरकार को अकस्मात चुनावी संजीवनी मिली। यही वजह है कि इस बार कांग्रेस नेतृत्व ने समय रहते ही निर्णय ले लिया और पित्रोदा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, ताकि चुनावी डैमेज कंट्रोल किया जा सके। मेरा स्पष्ट मानना है कि गोरे अंग्रेजों से लेकर काले अंग्रेजों तक ने कभी बहुमत प्राप्ति की गरज से तो कभी किसी लॉबी को संतुष्ट करने के लिए जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, लिंग, पहाड़, मैदान, उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, तुष्टीकरण और नस्लीय आधार पर व्यक्तियों के विभाजन का जो सिलसिला प्रारंभ किया, वह आज तक जारी है। इसके आधार पर हुई गोलबंदी से भारतीय संविधान भी अछूता नहीं बचा और उनके निर्माण से लेकर विभिन्न संशोधनों तक में जो वैचारिक विकृति की बू आती है, वह चुनाव दर चुनाव किसी न किसी त्रासदी को जन्म देती आई है, जिससे बचे जाने की जरूरत है।

प्लास्टिक के बर्तन में नहीं बल्कि इन पत्तों में लगाएं भगवान को भोग

भगवान को बर्तनों में भोग लगाने से ज्यादा पत्तलों में भोग ग्रहण करना अधिक प्रिय है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किन पत्तों पर भगवान को भोग लगा सकते हैं।

सनातन धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व होता है। हालांकि सभी के पूजा-अर्चना करने का तरीका अलग होता है। लेकिन भगवान को प्रसाद चढ़ाने का तरीका समान होता है। फिर भले ही भक्त भगवान को चीनी का भोग लगाए या फिर मेवा और मिष्ठान, यह सब आपके ऊपर निर्भर करता है। क्योंकि भक्त अपनी श्रद्धा और शक्ति से भगवान को कुछ भी अर्पित कर सकता है। आप भगवान को क्या भोग लगा रहे हैं, यह आपके ऊपर है। लेकिन आप किस चीज में अपने इष्टदेव को भोग लगा रहे हैं, यह बेहद अहम है।

हालांकि आजकल लोग अपनी सहूलियत के हिसाब से प्लास्टिक के दोने-पत्तल में भोग लगाते हैं। लेकिन आपको बता दें कि प्लास्टिक को शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए प्लास्टिक की चीजों में भोग नहीं लगाना चाहिए। वहीं भगवान को बर्तनों में भोग लगाने से ज्यादा पत्तलों में भोग ग्रहण करना अधिक प्रिय है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किन पत्तों पर भगवान को भोग लगा सकते हैं।

केल का पत्ता

आपको बता दें कि केले के पेड़ में स्वयं श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। इस पत्ते में भोग लगाने से श्रीहरि की कृपा बनी रहती है। वहीं यह पेड़ भगवान विष्णु को प्रिय है। इसलिए केले के पत्ते में लगा भोग भगवान प्रसन्नता के साथ स्वीकार करते हैं। धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु को केले के पत्ते में भोग लगाने से घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और परिवार के सदस्यों में प्रेम मिठास बनी रहती है। ऐसे में आप भी केले के पत्ते में भगवान को भोग अर्पित कर सकते हैं।

पान का पत्ता

पूजा-पाठ में नवग्रह स्थापना करने से लेकर भगवान को बीड़ा बनाकर अर्पित करने में पान के पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। भगवान को पान के पत्ते में लगा भोग अतिप्रिय होता है। क्योंकि समुद्र मंथन के दौरान जब अमृत कलश निकला, तो कुछ बूदें अमृत की पान के पत्ते पर भी गिरी थी। इस कारण भगवान को पान का पत्ता बेहद प्रिय है। इसलिए पान के पत्ते में आप देवी-देवता को भोग लगाना शुभ माना जाता है।

पलाश का पत्ता

हिंदू धर्म में पलाश के पत्ते का विशेष महत्व होता है। देवी-देवताओं को पलाश का पुष्प चढ़ाने से भगवान की कृपा बनी रहती है। पलाश के पत्ते में लगाया भोग देवी-देवता के लिए स्वर्ण पात्र के समान होता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप पलाश के पत्ते में भी इष्टदेव को भोग अर्पित कर सकते हैं।

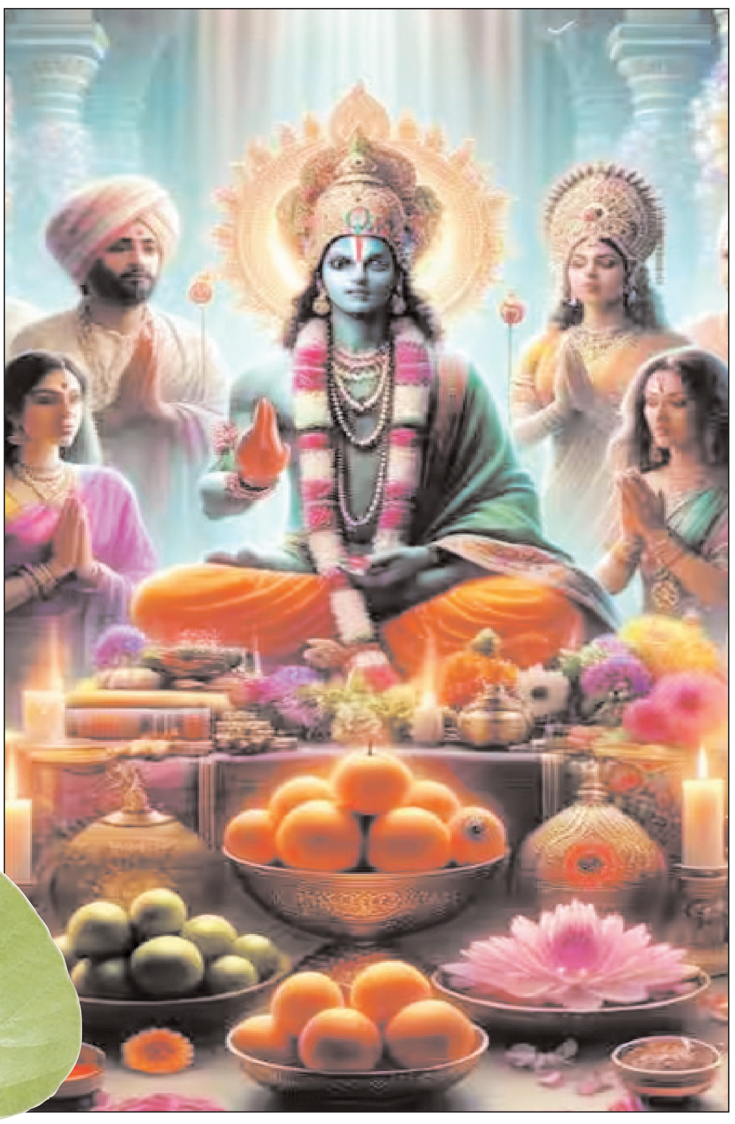

कब हैं मोहिनी एकादशी? इस दिन क्या करें और क्या न करें

मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है इस दिन नारायण जी की पूजा-पाठ करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस बार मोहिनी एकादशी तिथि 18 मई, 2024 को है। इस दिन पुण्य प्राप्ति के लिए क्या करें और क्या न करें जानते हैं। मोहिनी एकादशी के दिन इन मंत्रों का जाप जरुर करें।

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन मोहिनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस बार मोहिनी एकादशी तिथि 18 मई, 2024 सुबह 11 बजकर 23 मिनट पर शुरु होगी, वहीं इसका समापन अगले दिन 19 मई, 2024 दोपहर 01 बजकर 50 मिनट पर होगा। बता दें कि, सनातन धर्म में उदया तिथि का अधिक महत्व है। ऐसे में मोहिनी एकादशी का व्रत 19 मई, 2024 को किया जाएगा। पौराणिक ग्रंथ के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरुप की पूजा की जाती है। भगवान विष्णु ने मोहिनी रुप धारण कर समुद्र मंथन में देवताओं और दानवों के बीच हुए युद्ध में देवताओं की सहायता की थी। इसलिए, मोहिनी एकादशी के दिन श्री विष्णु की मोहिनी स्वरुप की पूजा करने से भक्तों को उनकी कृपा प्राप्त होती है और उनके जीवन की समस्त बाधाएं दूर हो जाती हैं। इस दिन पुण्य प्राप्ति के लिए क्या करें और क्या न करें जानते हैं।

मोहिनी एकादशी के दिन क्या करना चाहिए

- मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठे और स्नान करनी चाहिए।
- इसके बाद पूजा-पाठ करें।
- भगवान विष्णु को फूल, फल, मिठाई और धूप-दीप चढ़ाएं।
- एकादशी व्रक का संकल्प लें।
- इस दिन फल और दूध का ही सेवन करें।
- मोहिनी एकादशी के दिन रामायण, महाभारत या श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करना चाहिए, इससे काफी लाभ मिलता है।
- मोहिनी एकादशी के दिन दान-पुण्य करने से लाभ हो सकता है।
- इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप विशेष रुप से करें। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

मोहिनी एकादशी के दिन क्या न करना चाहिए

- इस दिन मांस, मदिरा का सेवन करने से बचना चाहिए।
- मोहिनी एकादशी के दिन नकारात्मक विचार मन में न लाएं।
- इस दिन प्याज लहसुन का सेवन करने से बचना चाहिए।
- इस दिन बाल और नाखून कटवाना वर्जित होता है।
- मोहिनी एकादशी के दिन तुलसी के पौधे में जल देने से बचना चाहिए।
- इस दिन चावल का सेवन नहीं करना चाहिए।
- किसी भी व्यक्ति को अपशब्द बोलने से बचना चाहिए।
- इस दिन सोने से भी बचना चाहिए।

मोहिनी एकादशी के दिन मंत्र का जाप करें

- श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं कुबेराय नम:
- यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा
- श्रीं श्रीं श्रीं लक्ष्मी वर कुबेर नम:
- ह्रीं श्रीं श्रीं ?
- नमो नारायणाय

कलावा बांधने और उतारने से पहले इन नियमों का रखें ध्यान, तभी मिलेगा इसका पूरा लाभ

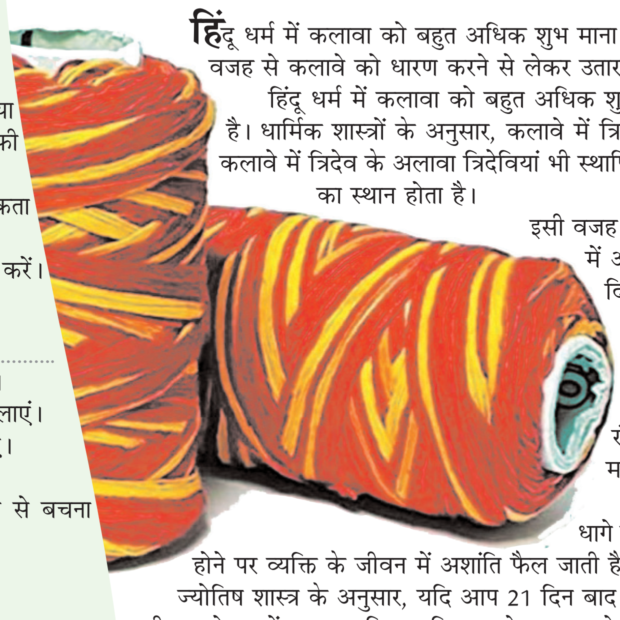

हिंदू धर्म में कलावा को बहुत अधिक शुभ माना जाता है। बता दें कि कलावे को रक्षा सूत्र के नाम से भी जाना जाता है। इसी वजह से कलावे को धारण करने से लेकर उतारने तक कई नियम बताए गए हैं।

हिंदू धर्म में कलावा को बहुत अधिक शुभ माना जाता है। बता दें कि कलावे को रक्षा सूत्र के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, कलावे में त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। बताया जाता है कि कलावे में त्रिदेव के अलावा त्रिदेवियां भी स्थापित हैं। कलावे में लगनी वाली गांठ में मां लक्ष्मी, देवी सरस्वती और मां पार्वती का स्थान होता है।

इसी वजह से कलावे को धारण करने से लेकर उतारने तक कई नियम बताए गए हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कलावा कितने दिनों तक पहनना चाहिए और कलावा कब उतारना चाहिए।

कितने दिन बांधे कलावा

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक सिर्फ 21 दिन के लिए हाथ में कलावा बांधना चाहिए। क्योंकि अमूमन इतने दिनों बाद कलावा का रंग उतरने लगता है और रंग उतरा हुआ कलावा नहीं पहनना चाहिए। उतरे हुए रंग का कलावा अशुभ माना जाता है।

मान्यता के मुताबिक जिस कलावे का रंग उतर चुका हो, या फिर कलावे के धागे निकल रहे हों। उस कलावे को धारण करने से ग्रह दोष लगता है। ग्रह के अशांत होने पर व्यक्ति के जीवन में अशांति फैल जाती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप 21 दिन बाद कलावे को उतार रहे हैं, उसे न तो किसी पेड़-पौधे पर चढ़ाना चाहिए और न ही इसको घर में रखना चाहिए। बल्कि उतारे हुए कलावे को मिट्टी में गाड़ देना चाहिए। क्योंकि हाथ से उतरा हुआ कलावा नकारात्मकता से पूर्ण होता है।

माना जाता है कि जब भी हाथ से कलावा उतारा जाता है, तो वह आपके अंदर और आसपास से नकारात्मकता को लेकर उतरता है। ऐसे में उस कलावे को किसी और को पहनने के लिए नहीं देना चाहिए। साथ ही इस कलावे को घर में या घर के मंदिर में भी नहीं रखना चाहिए।

इस दिशा में अजवाइन की पोटली रखना माना जाता है शुभ, बनने लगते हैं बिगड़े हुए काम

हर घर में अजवाइन का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। अजवाइन को स्वास्थ्य के लिहाज से भी काफी अच्छा माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक अजवाइन का संबंध शनि ग्रह से होता है।

हर घर में अजवाइन का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। अजवाइन को स्वास्थ्य के लिहाज से भी काफी अच्छा माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक अजवाइन का संबंध शनि ग्रह से होता है। वहीं शनिदेव को न्याय, कर्म और अनुशासन का ग्रह माना जाता है। अजवाइन का इस्तेमाल सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी किया जाता है। साथ ही अजवाइन का इस्तेमाल ग्रह शांति के लिए भी किया जाता है। यह राहु ग्रह को भी शांत करने में सहायक होता है। ऐसे में अजवाइन की पोटली को घर पर रखने के लिए सही दिशा का ज्ञान होना भी जरूरी है।

पूर्व या उत्तर दिशा में अजवाइन की पोटली रखना

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पूर्व या उत्तर दिशा में अजवाइन की पोटली रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। पूर्व दिशा सूर्य की दिशा होती है और ज्ञान, शिक्षा और बुद्धि प्राप्ति के लिए भी यह दिशा लाभदायक मानी जाती है। वहीं उत्तर दिशा कुबेर देव की दिशा मानी जाती है। उत्तर दिशा धन, वैभव व समृद्धि को समर्पित होती है। इसलिए अजवाइन की पोटली को पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए।

दक्षिण दिशा में अजवाइन की पोटली

ज्योतिष के मुताबिक दक्षिण दिशा का संबंध शनिदेव से होता है। इस दिशा में भी आप अजवाइन की पोटली रख सकते हैं। अगर किसी जातक की कुंडली में शनि दोष है, तो दक्षिण दिशा में अजवाइन की पोटली रखना शुभ माना जाता है।

इस दिशा में अजवाइन की पोटली रखन5 से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है और रोग आदि से भी छुटकारा मिल सकता है।

रसोई घर में अजवाइन की पोटली रखना

यदि आप रसोईघर में अजवाइन की पोटली रखते हैं, तो इससे व्यक्ति को कभी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

घर में हमेशा धन-धान्य की वृद्धि होती है। यदि किसी व्यक्ति को काम में सफलता नहीं मिल रही हो, तो रसोईघर में पोटली को छिपाकर रख देना चाहिए। इससे व्यक्ति को शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

महालक्ष्मी योजना से महिलाओं की जिंदगी बदलने में मदद मिलेगी

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के बीच सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी की ओर से महालक्ष्मी योजना के रूप में दी गई गारंटी से देश की महिलाओं की जिंदगी बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक संदेश में यह भी कहा कि महिलाओं की मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस ने यह क्रांतिकारी कदम उठाया है। सोनिया गांधी ने कहा, स्वतंत्रता की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत बनाने में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। हालांकि आज हमारी महिलाएं भयंकर महंगाई के बीच संकट का सामना कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस एक क्रांतिकारी कदम लेकर आई है। सोनिया ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस की महालक्ष्मी योजना में गरीब परिवारों की एक महिला को हर साल एक लाख रुपये दिए जायेंगे।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने वाली याचिका खारिज

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उत्पाद शुल्क नीति मामले में गिरफ्तारी के कारण अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह औचित्य का मामला है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने यह भी कहा कि यह दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निर्भर है कि अगर वह चाहें तो कार्रवाई करें लेकिन हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। पीठ ने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले याचिकाकर्ता कांत भाटी दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ता नहीं थे। लाइव लॉ ने न्यायमूर्ति खन्ना को याचिकाकर्ता से यह कहते हुए उद्धृत किया कानूनी अधिकार क्या है? हमें इस सब में क्यों जाना चाहिए?

माधवी लता ने बुर्का हटवाकर चेक की वोटरों की आईडी

हैदराबाद। हैदराबाद से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र पर पहुंचीं और मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए सत्यापन के लिए बुर्का हटाकर मुस्लिम महिलाओं की मतदाता पहचान पत्र की जांच की। लता ने निर्वाचन क्षेत्र के आजमपुर में मतदान केंद्र संख्या 122 का दौरा किया। उन्होंने कहा कि कई मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं और कुछ गोशामहल के निवासी नहीं हैं लेकिन उनके नाम रंगारेड्डी की सूची में हैं। इससे पहले, भाजपा उम्मीदवार ने निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर मतदान किया। इस हाई-प्रोफाइल सीट पर उनका मुकाबला सांसद और एआईएमआईएम उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी और बीआरएस के गद्दाम श्रीनिवास यादव से है। माधवी लता ने कहा पुलिस कर्मी बहुत सुस्त लग रहे हैं, वे सक्रिय नहीं हैं... वे कुछ भी जाँच नहीं कर रहे हैं। यहां वरिष्ठ नागरिक मतदाता तो आ रहे हैं लेकिन उनका नाम सूची से हटा दिया गया है।

चुनाव नतीजों के बाद मोदी नहीं होंगे प्रधानमंत्री : शशि थरूर

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के इस दावे के बीच कि अगर एनडीए सत्ता में आता है तो नरेंद्र मोदी अगले साल 75 साल के हो जाने के बाद अमित शाह को कमान सौंप देंगे, कांग्रेस ने कहा कि इंतजार इतना लंबा नहीं होगा क्योंकि 4 जून को नई सरकार और प्रधानमंत्री का गठन हो जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने कहा कि केजरीवाल का इस विरोधाभास को उजागर करना सही था। थरूर ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि अगर मोदी सितंबर 2025 में 75 वर्ष के हो जाते हैं, तो उनके आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार सितंबर 2025 में क्या हम प्रधान मंत्री का परिवर्तन देखेंगे या एक व्यक्ति के लिए अपवाद होगा? लेकिन किसी भी स्थिति में, हमें सितंबर 2025 तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है, 4 जून 2024 को प्रधान मंत्री बदल जाएगा।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी राम विरोधी हैं : आदित्यनाथ

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए अयोध्या राम मंदिर को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि ये दोनों पार्टियां राम मंदिर का विरोध करती थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी सभा में कहा, कांग्रेस और सपा राम मंदिर का विरोध करते थे। उन्होंने हमारी धार्मिक आस्था प्रणाली के साथ खिलवाड़ किया। सीएम योगी ने दोनों दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोलियां चलवाती थी। वे बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन याद रखें कि उनके समय में क्या हुआ था। गरीब भूख से मरते थे और किसान आत्महत्या से मरते थे। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सीएम योगी ने कहा, हम देख रहे हैं कि दुनिया भर में हमारे देश का सम्मान बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर जनसभा में कांग्रेस और राजद पर बोला हमला

पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे : मोदी

पटना। पीएम मोदी ने मुजफ्फरपुर में लोगों से पूछा कि आप अपने मोहल्ले में ढीला-ढाला पुलिसवाला पसंद करते हैं? ढीला-ढाला शिक्षक पसंद करते हैं? शिक्षक भी आपको मजबूत चाहिए। पुलिसवाला भी मजबूत चाहिए। तो फिर देश का प्रधानमंत्री मजबूत होना चाहिए या नहीं? डरपोक पीएम देश चला सकता है? आप कल्पना कर सकते हैं कि यह लोग इतने डरे हुए हैं कि इनको रात में सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखाई देता है। अब ऐसी पार्टियां और ऐसे नेता जिनको रात में भी सोते-सोते पाकिस्तान का परमाणु बम दिखाई दे क्या ऐसे लोगों को देश दे सकते हैं? कांग्रेस नेताओं के, इंडी गठबंधन के नेताओं के कैसे-कैसे बयान आ रहे हैं। वह कह रहे हैं कि पाकिस्तान ने चूड़िया नहीं पहनी है। अरे भाई पहना देंगे। नहीं पहनी है तो पहना देंगे। उनको आटा चाहिए। उनके पास बिजली भी नहीं है। अब हमें मालूम नहीं है कि उनके पास चूड़ियां नहीं है। कोई मुंबई हमले में पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहा। कोई सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठा रहा। लेफ्ट वाले तो भारत के परमाणु हथियारों को ही खत्म करना चाहते हैं। ऐसा लगता कि इंडी गठबंधन वालों ने भारत के खिलाफ ही किसी से सुपारी ले ली है। क्या ऐसे स्वार्थी लोग राष्ट्र रक्षा के लिए कड़े फैसले ले सकते हैं क्या? पीएम मोदी ने राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

पीएम मोदी ने कहा कि हर परिवार की बचत बढ़ाने वाली एक और गारंटी मोदी ने दी है। अब बिहार में जितने भी बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 70 साल से ऊपर है। उनके इलाज की जिम्मेदारी दिल्ली में बैठा आपका बेटा उठाएगा। 70 साल के ऊपर के लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवाया जाएगा। कांग्रेस के समय में एक एलईडी बल्ब चार सौ रुपये में आता था। मोदी ने इसकी कीमत घटाकर 40 से 50 रुपये कर दी। इस तरह बिजली बिल में गरीबों के 20 हजार करोड़ रुपये बचाए हैं। मोदी सरकार ने एक और योजना बनाई है। इसके जरिए आपका बिजली बिल जीरो हो जाएगा। आप घर में बिजली पैदा कर हीरो बन जाएंगे। इसका नाम है

पीएम सूर्यघर योजना। इसके तहत छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार आपको 75 हजार रुपया देगी। बिहार के लाखों किसानों को किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिला है।

पीएम मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लाखों युवाओं को नौकरी दी गई। बिहार में आठ नए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हुए। दस हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। राज्य के कामों में 60 हजार से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर खोले गए हैं। आज देश में कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। यह देश के नौजवान नहीं चला रहा तो कौन चला रहा। दस साल पहले महंगाई की स्थिति क्या थी? तब एक गाना चलता था। महंगाई डायन खाई जात है। तब कांग्रेस 20 हजार की कमाई पर टैक्स मांगती थी। आज मोदी सरकार में 50-60 हजार की कमाई तक आपको एक रुपया भी टैक्स नहीं लगता था। तब गरीबों के हाथ में मोबाइल नहीं थे। अब हर हाथ में मोबाइल है। तब गरीब परिवार के लिए रसोई चलाना मुश्किल था। पीएम मोदी ने मुजफ्फरपुर ने जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। पीएम मोदी ने यहां भी कांग्रेस और राजद पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो चारा वाले हैं, उन्होंने और भी खतरनाक बयान दिया है। वह दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े और आदिवासी के आरक्षण को लूटकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। मैं जान की बाजी लगा दूंगा लेकिन आपको न संविधान को हाथ लगाने दूंगा और न ही आरक्षण के साथ खिलवाड़ करने दूंगा। धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण नहीं मिलेगा। यह मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी सरकार ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को गिनाया। पीएम ने पूछा कि साथियों मोदी का वारिस कौन है? आप बता सकते हैं। मोदी के वारिस आप हैं। आपका परिवार और आपके बच्चे हैं। इसलिए मुझे आपको सबकुछ देकर जाना है। मुझे आपको सुख चैन की जिंदगी देकर जाना है। मुझे आपको विकसित भारत आपके हाथ में सौंपकर जाना है। पीएम मोदी ने कहा कि सिर्फ मुद्रा योजना के जरिए ढाई लाख करोड़ रुपये की मदद बिहार के युवाओं को दी गई। वह भी मोदी की गारंटी पर। मोदी को बिहार के युवाओं पर भरोसा है।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस ने मिलकर बिहार के साथ खिलवाड़ किया है। महिलाओं के आरक्षण का यह लोग विरोध करते थे। राजद और कांग्रेस की विकृत मानसिकता के कारण महिलाओं को आरक्षण नहीं मिला। लेकिन, जब आपने मुझे संसद भेजा तो मैंने महिलाओं को आरक्षण दिया था। राजद के शासनकाल में केवल अपहरण उद्योग था। हाजीपुर वालों ने देखा है जंगलराज। मोदी विकसित भारत और विकसित बिहार का सपना लेकर निकला है। भ्रष्टचारियों के खिलाफ लड़ाई पहली प्राथमिकता है। गरीबों के पैसों की लूट मुझे सोने नहीं देती है। जब केंद्र में कांग्रेस और राजद की सरकार थी तो ईडी ने 10 साल में 35 लाख रुपये पूरे देश में जब्त किया था। इतना पैसा तो स्कूल बैग में भर जाए। चोरी करने वाले चोरी कर रहे थे। जब मोदी आया तो चोरों का घर सर्च किया। पिछले 10 साल में मोदी ने दो हजार दो सौ करोड़ रुपये जब्त किया। इसके लिए 70 छोटे वाले ट्रक लगते हैं। इसलिए यह लोग मोदी को गाली दे रहे। इनलोगों ने आपको लूटकर नौकरी के बदले जमीन लिखावाई। जिसने गरीब की जमीन छीना, वह बचकर नहीं जाएगा।

मोदी के सेवाकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने तुष्टिकरण को सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार बनाया। इंडी एलायंस का हर दल राम मंदिर के लिए भद्दी भद्दी बातें कर रहा है। राम मंदिर को गाली देकर आपको चिढ़ा रहे हैं। राजद और कांग्रेस की प्राथमिकता आपलोग नहीं हैं। बल्कि उनका अपना वोट बैंक है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में जंगलराज लाने वाले जो व्यक्ति हैं, जिनको चारा घोटाले में कोर्ट ने गुनहगार माना है और सजा दी है, उन्होंने एक बयान दिया कि मुसलमानों को आरक्षण दिया जाना चाहिए, वो भी पूरा का पूरा। यानी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को मिलने वाला पूरा आरक्षण अब ये मुसलमानों को देना चाहते हैं। इनलोगों को न बाबा साहेब की परवाह है और न ही संविधान की परवाह है। बिहार का दलित पिछड़ा और आदिवासी लोग अपना हक राजद और कांग्रेस को छीनने नहीं देंगे। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जब तक मोदी जिंदा है तब तक यह लोग आपके अधिकारों पर डाका नहीं डाल सकते हैं। आपका आरक्षण छीन नहीं सकते हैं। वह वक्त चला गया जब महिला के आरक्षण वाला कागज इनलोगों ने फाड़ दिया था। आज इनलोगों ने ऐसा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि सामाजिक न्याय के नाम पर लालटेन वालों ने बिहार में कितनी अंधेरगर्दी फैलाई। इन लोगों ने बिहार के लोगों को गरीबी और अभाव में धकेल दिया, जंगलराज दिया। इन लोगों ने सबको बर्बाद किया और खुद अपने आलीशान महल खड़े कर दिए। क्या ऐसे लोग बिहार का भला कर सकते हैं क्या? राजद और कांग्रेस में बिहार को आगे बढ़ाने की इच्छा शक्ति ही नहीं है। वह तो सोच रहे हैं कि अभी जितना समय बचा है, उसमें जितना लूट सके लू लें। वह अपने बच्चों को सेट करने में लगे हैं। आपके बच्चे को वो भूल गए हैं। राजद और कांग्रेस के लोग विकास कार्यों से भागते हैं। क्योंकि उसमें मेहनत लगती है। खुद को खपाना होता है। इनलोगों ने नकारेपन ने बिहार के कई दशक बर्बाद किए। ऐसे लोगों से बिहार को बचाकर रखना है।

रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि है इसलिए मैं यहां चुनाव लड़ने आया हूं

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने जिले के महाराजगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी दो माताएं हैं। एक सोनिया गांधी और दूसरी इंदिरा गांधी जिन्होंने मेरी रक्षा की है। मुझे सिखाया है रायबरेली मेरी दोनों माताओं की कर्मभूमि है। इसलिए मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं।

राहुल ने कहा कि रायबरेली से हमारे परिवार का रिश्ता 100 साल पुराना है। यह चुनाव इतिहास का पहला चुनाव है जिसमें संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस लड़ रही है। भाजपा और आरएसएस संविधान की किताब फाड़ डालेंगे और गरीबों के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। प्रधानमंत्री और भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि यह अडानी और अंबानी की सरकार बनाने जा रहे हैं। इन दो लोगों के लिए ही संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी ने दस साल में 16 लाख करोड़ रुपया 22 अरबपतियों को दे दिया। यह पैसा 70 करोड़ लोगों की इनकम जितना है। यह लड़ाई गरीबों की रक्षा के लिए है। सरकार बनी तो हर महिला के खाते में प्रतिमाह 8500 रुपया भेजेंगे। हर माह की पहली तारीख को खटाखट पैसा खाते में गिरेगा।

राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं को बेरोजगार कर दिया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हर युवा को अप्रेंटिसशिप मिलेगी। इस तरह पहली नौकरी पक्की। पब्लिक सेक्टर हो या सरकारी विभाग सरकार बनते ही ठेकेदारी प्रथा बंद होगी।

इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जनसभा में एक साथ दिखे। दोनों को एक साथ मंच पर देख भीड़ का उत्साह हिलोरे लेता दिखा। जनसभा के जरिए राहुल और प्रियंका ने भाजपा को ताकत का अहसास कराया।

खेल
प्रमुख समाचार

प्ले ऑफ की दौड़ : लखनऊ और दिल्ली के बीच भिड़ंत आज

नयी दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रही लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम आईपीएल प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें जीवंत रखने के लिए मंगलवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी जिसकी नॉकआउट में जगह बनाने की मामूली उम्मीद बरकरार है। सुपर जाइंट्स के कप्तान के रूप में लोकेश राहुल के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका ने उन्हें सार्वजनिक तौर पर फटकार लगाई थी। इस तरह की अटकलें हैं कि राहुल पद छोड़ सकते हैं या टीम का साथ छोड़ने से पहले अंतिम दो मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी निभा सकते हैं। दोनों ही स्थितियों में यह भारतीय बल्लेबाज बल्ले से जवाब देकर सत्र का शानदार अंत करना चाहेगा। राहुल काफी अच्छी फॉर्म में नहीं हैं और भारत की टी20 विश्व कप टीम में भी जगह नहीं बना पाए हैं। लखनऊ की टीम भी 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर चल रही है और दिल्ली तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के साथ अभी शीर्ष चार से बाहर है। दिल्ली और आरसीबी के भी 12-12 अंक हैं। राहुल और उनकी टीम को अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए पांच दिन का समय मिला है और रविवार रात आरसीबी के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली दिल्ली की टीम के खिलाफ अपना सब कुछ झोंकना चाहेगी। राहुल के अलावा क्विंटन डिकॉक की खराब फॉर्म के कारण भी सुपर जाइंट्स को मौजूदा सत्र में पावर प्ले में जूझना पड़ा है जिससे मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे खिलाड़ियों पर दबाव बड़ा है। पूरन और आयुष बडोनी पिछले मैच में टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे थे लेकिन गेंदबाज बुरी तरह से विफल रहे जब ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 9.4 ओवर में ही 167 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया जो टी20 क्रिकेट में रिकॉर्ड है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स इंट्रा-डे लो से 997 अंक उबरा, निफ्टी 22 हजार के पार

नईदिल्ली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 798 अंकों तक फिसल गया था। निफ्टी भी कारोबार की शुरुआत में लगभग 80 अंक टूटकर 22,000 के लेवल से नीचे आ गया था। हालांकि बाद में इसने अपना 22,000 का लेवल फिर से हासिल कर लिया। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.36 प्रतिशत बढ़ा, जबकि बीएसई स्मॉलकैप 0.23 प्रतिशत गिर गया। इंट्रा-डे में दोनों सूचकांकों में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 111.66 अंक यानी 0.15 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 72,776.13 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,866.01 और 72,863.56 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 64.85 अंक यानी 0.29 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,120.05 अंक पर बंद हुआ।

एफटीए भागीदारों से भारत का आयात 38 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। भारत का संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते वाले देशों से माल का आयात वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच करीब 38 प्रतिशत बढ़कर 187.92 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) भागीदारों को देश का निर्यात 2018-19 में 107.20 अरब अमेरिकी डॉलर से 2023-24 में 14.48 प्रतिशत बढ़कर 122.72 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। शोध संस्थान ने कहा, ''भारत का आयात वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के बीच करीब 37.97 प्रतिशत बढ़कर 187.92 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर मुक्त व्यापार समझौतों के महत्वपूर्ण तथा विविध प्रभाव को दर्शाती है।''

हाई लोन ग्रोथ बैंकों की साख निर्धारित करने में महत्वपूर्ण: फिच

नईदिल्ली। बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के बावजूद उच्च ऋण वृद्धि के जरिए भारतीय बैंकों की जोखिम उठाने की क्षमता उनकी साख के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बनी रहेगी। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही। एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले ऋण चक्र से संपत्ति की गुणवत्ता का दबाव कम हो रहा है, जिससे अनुकूल कारोबारी माहौल बन रहा है। इससे बैंकों की क्षमता और वृद्धि की चाह बढ़ी है। वित्त वर्ष 2023-24 में बैंक ऋण में वित्त वर्ष 2022-23 के समान 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वित्त वर्ष 2014-15 और 2021-22 की तुलना में आठ प्रतिशत सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से अधिक है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट 'बेहतर प्रदर्शन के बावजूद भारतीय बैंकों की व्यवहार्यता रेटिंग पर जोखिम लेने की क्षमता का असर' में कहा कि बड़े निजी बैंकों ने पिछले ऋण चक्र में महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल की और तेजी से बढ़ना जारी रखा।

इंडिजीन के आईपीओ को निवेशकों से अच्छा रिस्पॉन्स

नईदिल्ली। स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी कंपनी इंडिजीन लिमिटेड के शेयर 452 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब 46 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में लिस्ट हुए। बीएसई पर शेयर इश्यू प्राइस से 45.95 प्रतिशत के उछाल के साथ 659.70 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं, एनएसई पर इसने 44.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 655 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इस इश्यू को निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली और आईपीओ को 70.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। रिटेल कैटेगरी में इंडिजीन के आईपीओ को ऑफर किए गए शेयरों से 7.86 गुना ज्यादा बोलियां मिलीं। योग्य संस्थागत खरीदार सेगमेंट को 192.72 गुना और गैर-संस्थागत निवेशक केटेगरी को 55.91 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इंडिजीन आईपीओ में 760 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 2,39,32,732 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की गई थी।

अर्थव्यवस्था मजबूत करते सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम

सतीश सिंह

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आजादी के समय भारत का सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) 2.7 लाख करोड़ रूपये का था, जो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 41.74 लाख करोड़ रुपये का हो गया। इस उपलब्धि को हासिल करने में मिनी रत्न, नवरत्न और महारत्न कंपनियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अहम भूमिका रही है। आजादी से पहले देश में निजी कंपनियों की भरमार थी, लेकिन वे खुद का विकास करने में मशगूल थे। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों का अपेक्षित विकास नहीं हुआ था।

कुछ क्षेत्र अत्यंत पिछड़े थे, जैसे- आधारभूत संरचना व शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं। चूंकि निजी क्षेत्र सुधारात्मक पहल नहीं कर रहे थे, इसलिए सरकार ने पंचवर्षीय योजनाओं को मूर्त रूप दिया और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की स्थापना की, ताकि एक निश्चित समय में समावेशी विकास की संकल्पना को साकार किया जा सके। देश में मिनी रत्न, नवरत्न और महारत्न कंपनियों की स्थापना की गयी और इनकी वित्तीय जरूरतों को पोषित करने, आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने, वित्तीय समावेशन की संकल्पना को साकार करने, लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

आजादी के समय देश में लगभग 11 सौ छोटे-बड़े निजी बैंक थे, जिनका मुख्य मकसद मुनाफा कमाना था। सामाजिक सरोकारों को पूरा करते हुए मुनाफा कमाने और अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक का राष्ट्रीयकरण एक

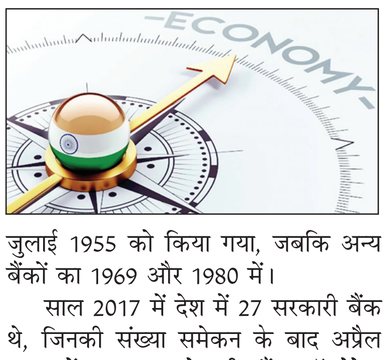

जुलाई 1955 को किया गया, जबकि अन्य बैंकों का 1969 और 1980 में।

साल 2017 में देश में 27 सरकारी बैंक थे, जिनकी संख्या समेकन के बाद अप्रैल 2020 में घटकर 12 हो गयी। बैंक कॉरपोरेट, आधारभूत संरचना, जैसे- सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, कृषि प्रसंस्करण, रेल कारखाना, रेलवे लाइन, एयरपोर्ट, बंदरगाह आदि, सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्योगों, कृषि व संबद्ध क्षेत्र, जैसे- पशुपालन, डेयरी, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वित्त पोषण का काम कर रहे हैं। बैंक ग्रामीणों को बैंक से जोड़ने, महिलाओं का सशक्तीकरण करने, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने जैसे काम भी कर रहे हैं।

जनवरी 2023 तक भारत में 12 महारत्न, 13 नवरत्न कंपनियां और 62 मिनीरत्न कंपनियां थीं। आर्थिक रूप से मजबूत और मुनाफे वाली कंपनियां होने के कारण ये कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध होती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) और राज्य स्तरीय सार्वजनिक उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

सीपीएसई को भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय नियंत्रित करता है तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए नोडल विभाग के रूप में काम करता है।

वित्त वर्ष 1996-97 में सार्वजनिक क्षेत्र की वैसी कंपनियों को नवरत्न का दर्जा दिया गया, जो पहले से मिनी रत्न कंपनियों में वर्गीकृत थीं और उनके प्रदर्शन में निरंतर सुधार हो रहा था। सरकार को लग रहा था कि अगर इन्हें नवरत्न का दर्जा देकर कुछ और विशेष अधिकार एवं वित्तीय स्वायत्तता दी जाए, तो इनका प्रदर्शन और बेहतर हो सकता है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, एनबीसीसी लिमिटेड, एनएमडीसी लिमिटेड, एनएलसी इंडिया लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, रेल विकास निगम लिमिटेड, शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड आदि नवरत्न कंपनियां हैं।

पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में फला-फूला अवैध कारोबार : साव

रायपुर। महादेव सट्टा एप मामले में एक युवा कारोबारी ने सुसाइड कर लिया है। इस मामले पर डिप्टी सीएम साव का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महादेव एप के मामले में लगातार जांच हो रही है। विषय यही थे कि पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में ये अवैध कारोबार फला-फूला। लोग इस चक्र में पड़कर आर्थिक, शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान हुए। सरकार इसको लेकर गंभीर हैं। इसके साथ ही उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी बयान दिया है।

देश के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए 96 सीटों पर मतदान जारी है। मतदान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि आज देश में चौथे कारण के लिए मतदान हो रहा है। मतदान में स्पष्ट रूप से उत्साह दिख रहा है। जो मतदाताओं का उत्साह और रुझान है वो प्रो इनकमबैंसी का रुझान है। लोग नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपने घरों से निकल रहे हैं।

भूपेश बघेल के रायबरेली दौरे पर डिप्टी सीएम साव ने कहा कि कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है। कांग्रेस इतनी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन कांग्रेसी केवल रायबरेली जा रहे हैं। रायबरेली की जनता सवाल पूछ रही कि सांसद निधि का पैसा सोनिया गांधी ने किधर लगाया ? कई ऐसे घटनाएं हुए किसी के दुखों को बांटने के लिए नहीं गए। जो परिवार के दुख में खड़े नहीं हुए आज उनसे जनता पूछ रही हैं कि अब तक वे कहा थे? ओडिशा में हुई छग की तारीफ पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि लगातार देश में कांग्रेस के नेताओं ने छत्तीसगढ़ के मॉडल को प्रस्तुत किया। लेकिन इससे जनता लाभान्वित नहीं हुई।

जनता त्रस्त और परेशान थी। इसलिए कांग्रेस यहां से बेदखल हुई। आज चर्चा साय सरकार के कामों की हो रही है। छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर भाजपा की जीत का दावा पूरा होने पर कांग्रेसी क्या करेंगे? इस पर डिप्टी सीएम साव ने कहा, उन्हें सोचना पड़ेगा कि आखिर कहां जाये? जनता ने ग्यारह की ग्यारह सीट भाजपा की झोली में डालने का मन बना लिया है। कांग्रेस के प्रत्याशियों को तय करना है वो कहा जाएंगे ? कांग्रेस ने देश के लोगों की भावनाओं से विपरीत केवल एक परिवार के हित के लिए काम किया। ऐसी पार्टी समाप्त होनी ही थी। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस समाप्ति की ओर है।

रायपुर लोकसभा में भाजपा 8 लाख पार करेगी - अशोक

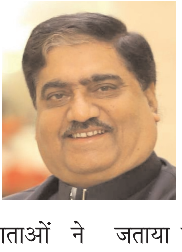

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के चुनाव संयोजक अशोक बजाज ने कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से फीड-बैक लेने के बाद दावा किया है कि भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ऐतिहासिक बढ़त के साथ चुनाव जीतेंगे। यहां भाजपा प्रत्याशी अग्रवाल 8 लाख से अधिक मतों से जीतेंगें। बजाज ने कहा कि मतदाताओं में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान के दिन मतदाताओं ने उत्साह प्रकट किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में राष्ट्रीय व स्थानीय मुद्दे हावी रहे। मतदाताओं ने विकसित भारत व विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए भाजपा पर भरोसा जताया है। श्री बजाज ने कहा कि भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान सकारात्मक प्रचार किया तथा अपनी रणनीति के तहत भाजपा समर्थित मतदाताओं को घर-घर से निकाल कर वोट कराया। भीषण गर्मी के बावजूद भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता अंतिम क्षण तक मतदान केन्द्रों में डटे रहें.

भाजपा के संरक्षण में चल रहा है महादेव एप

रायपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरे देश में स्थिति साफ है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार की विदाई तय हो गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तीन चरणों के बाद चौथे चरणों में जो रुझान आ रहे हैं, वह स्पष्ट हो गया है कि देश की जनता अब मोदी सरकार से तौबा कर चुके हैं। सुशील आनंद शुक्ला ने दावा किया कि देश में इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। डिप्टी सीएम अरुण साहू के बयान पर पलटवार करते हुए सुशील आनंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को पांच महीने पूरे हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्रीय में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, जो डबल इंजन की सरकार। फिर महादेव एप में बंदिश क्यों नहीं लग रही है? पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार को तीन-चार बार पत्र लिखा था कि महादेव ऐप को बंद किया जाए। राज्य सरकार में भी बंद नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के संरक्षण में इनकी मिली भगत से ही महादेव एप देश में चल रहा है। केंद्र सरकार का पूरा संरक्षण है। बीजेपी की नई आबकारी नीति और शराबबंदी को लेकर शुक्ला ने कहा कि बीजेपी के आबकारी नीति शराब की काली कमाई को बढ़ाने का जरिया है। यही नहीं भाजपा शराब बिक्री को बढ़ाने के लिए एयरकंडीशन अहाते बनाए गए। एक ही ईमेल आईडी से दर्जनों टेंडर डाले गए हैं। सब स्वीकृत की गई है। यह बड़ा घोटाला किया गया है। सरकार शराब की काली कमाई में लगी हुई है। सरकार के संरक्षण में शराब का काला कारोबार पूरे प्रदेश में चल रहा है। छत्तीसगढ़ में पांच साल तक शराबबंदी की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा बताएं कि छत्तीसगढ़ में शराब बंदी कब लागू होगी।

मेरी बात ✍ गिरीश पंकज

प्रतिरोध के सशक्त कवि थे सुरजीत पातर

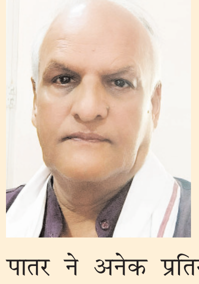

पंजाबी साहित्य को विश्व साहित्य की श्रेणी में खड़ा कर देने वाले महत्वपूर्ण कवि 79 वर्षीय सुरजीत पातर के चले जाने से (11 मई, 2024) पंजाबी साहित्य ही नहीं, भारतीय साहित्य का भी बड़ा नुकसान हुआ है। इससे भी एक कदम आगे बढ़कर कहूँ कि विश्व साहित्य की क्षति हुई है । पद्मश्री, साहित्य अकादमी, सरस्वती सम्मान जैसे अनेक महत्वपूर्ण सम्मानों से विभूषित सुरजीत पातर ने अनेक प्रतिरोधी कविताएँ लिखकर यह स्थापित किया कि रचनाकार व्यवस्था का प्रवक्ता नहीं होता। वह अन्याय का प्रतिरोध करता है। सुरजीत जी को प्रतिरोध की ताकत गुरुनानक देव जी जैसे महानतम संतों से मिली थी। गुरुनानक जी खुद एक समर्थ कवि थे, जिन्होंने हमलावर बाबर को ललकारा था। बाबर के विरुद्ध उन्होंने रचना की थी। जो व्यक्तित्व बाबर को ललकार सकता है, वह कितना साहसी व्यक्तित्व होगा उसकी हम सहज कल्पना कर सकते हैं। तो सुरजीत पातर उसी प्रतिरोधी-परंपरा के कवि रहे । इसका एक बड़ा प्रमाण तो यह है कि जब पंजाब में किसान आंदोलन चल रहा था तो उसके समर्थन में सुरजीत पातर ने उनको मिली पद्मश्री सम्मान लौटने का ऐलान किया था।

डॉक्टर चमन लाल जैसे समर्थ अनुवादकों के जारिये हमने सुरजीत पातर की रचनाएँ पढ़ीं और उन्हें समझा भी। गूगल के जरिए भी उनकी अनेक धारदार कविताएँ हमें पढ़ने को मिल जाती हैं । मैं अपने को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि एक दशक पहले जब मैं साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की हिंदी प्रमर्द्ध मंडल और अकादेमी की सामान्य सभा का सदस्य था, तब सुरजीत पातर से दिल्ली में मुलाकातें हुई और उन्हें सुनने का अवसर भी मिला। वह साहित्य में रुचि रखने वाले सिखों के बीच में काफी लोकप्रिय थे। कनाडा में लाखों सिखबंधु निवास करते हैं। वहां भी वह बेहद लोकप्रिय थे। एक उदाहरण साहित्य अकादेमी के सचिव श्रीनिवास राव ने बताया कि जब कनाडा में एक कवि सम्मेलन के लिए सुरजीत पातर को आमंत्रित किया गया, तो जिस पंचतारा होटल में उन्हें रुकवाया गया था, उस होटल के रजिस्टर में उनका नाम जॉनसन के रूप में दर्ज किया गया था। ऐसा इसलिए किया गया कि अगर वहां के लोगों को पता चल जाएगा कि सुरजीत पातर इसी होटल में आकर रुके हैं, तो सैकड़ो लोग मिलनेवपहुँच जाएँगे तो होटल की व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। यह एक उदाहरण पातर जी की असाधारण लोकप्रियता को बताने के लिए पर्याप्त है।

सुरजीत पातर एक वैश्विक-दृष्टि-संपन्न रचनाकार थे इसीलिए उन्होंने विश्व के कुछ महत्वपूर्ण रचनाकारों की रचनाओं का अनुवाद पंजाबी में किया,यानी गुरुमुखी में। फिर चाहे वे पाब्लो नेरुदा, गार्सिया लोर्का हो, बर्तोल्त ब्रेख्त हों या कन्नड़ के बड़े रचनाकार गिरीश कर्नाड। श्रेष्ठ साहित्य उन्हें दिखा उसे पंजाबी साहित्य को परिचित कराने का कार्य सुरजीत पातर ने किया। पंजाबी के महान कवि शिवकुमार बटालवी की रचनाओं के आधार पर उन्होंने रूपक भी लिखे। पंजाबी साहित्य में कुछ नाम बेहद चर्चित रहे हैं। जैसे भाई वीर सिंह, प्रो पूर्ण सिंह,सोहन सिंह, अमृता प्रीतम, शिवकुमार बटालवी,अवतार सिंह संधु पाश आदि। इस परंपरा में सुरजीत पातर का भी नाम सम्मान से लिया जाता रहा है। हालांकि नानक सिंह जैसे महानतम पंजाबी साहित्यकार को हम भूल नहीं सकते,जिन्होंने अनेक महत्वपूर्ण उपन्यास लिखे, जिसमें पवित्र पापी तो काफी चर्चित रहा, जिस पर हिंदी फिल्म भी बनी थी। पातर जी को अपना गाँव बहुत प्यारा था,पातर कलां। इसलिए उन्होंने अपना नाम गांव के साथ जोड़ लिया। अपना उपनाम ही पातर रख लिया।

सुरजीत पातर की रचनाओं में क्रांति का जो पुट हमें दिखाई देता है, वही इन्हें बड़ा रचनाकार बनाता है। कोई भी रचनाकार इतिहास में तभी याद रखा जा सकता है, जब उसकी रचनाओं में दमन, अन्याय और पीड़ित मानवता के लिए भावनाएं मुखरित होती हैं। सिर्फ प्रकृति-वंदन या सामान्य जीवन-दर्शन की कविता ही कविता नहीं होती। असली कविता मनुष्य की पीड़ा का आख्यान होना चाहिए। और यही काम सुरजीत पातर ने किया।

छग के टॉपर्स विद्यार्थियों को मिलेगा दो लाख

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम पिछले दिनों जारी किए। जिसमें 10वीं कक्षा में जशपुर की सिमरन शबा ने 99.50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और प्रदेश भर में टॉप किया, जबकि 12वीं में महासमुंद की महक अग्रवाल ने 97.40 प्रतिशत अंक हासिल कर शीर्ष स्थान पर रही।

दोनों ही कक्षाओं में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी यह है कि प्रदेश के श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने सभी 10 टॉपर्स को प्रोत्साहन के रूप में दो-दो लाख रुपये का चेक देने की घोषणा की है। यह राशि आचार संहिता के हटते ही मिलेगा। जिसमें एक लाख रुपये पढ़ाई के लिए होंगे और दूसरा लाख दो पहिया वाहन खरीदने के लिए होगा। इसके साथ ही मंत्री देवांगन ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जीएसटी ट्रिब्यूनल जल्द ही राजधानी में

रायपुर। जीएसटी के विवादित प्रकरणों के निराकरण के लिए जल्द ही रायपुर-बिलासपुर में जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटी ट्रिब्यूनल) की स्थापना होगी. पहले चरण में इसे राजधानी रायपुर में शुरु करने की तैयारियां की जा रही है.

पानी की समस्या को लेकर भाजपा पार्षद दल ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

50 लाख के डस्टबीन कहां गायब ?- मीनल चौबे

रायपुर। भाजपा पार्षद दल ने आज महापौर एजाज़ ढेबर से मुलाकात कर शहर में पानी की समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा और गर्मी में जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम की क्या तैयारी है के संबंध में जानकारी चाही। विपक्ष ने आरोप लगाया कि अधिकारी महापौर को गुमराह करते है और परिणामस्वरूप टैक्सपेयी जनता को खामियाजा भुगतना पड़ता है। और वे अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित रहते है.अधिकारियों का दावा है कि अमृत मिशन का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। जबकि वास्तविकता यह है कि करोड़ो रू के भुगतान के बावजूद अमृत मिशन योजना के तहत बिछाये गये पाईप लाईन से जलापूर्ति नही हो पा रही है। नेताप्रतिपक्ष ,उपनेता प्रतिपक्ष ने दो टुक कहा कि अमृत मिशन का काम स्तरहीन है और जहां-जहां अमृत मिशन का कार्य हुआ है वहाॅ की जनता और जनप्रतिनिधि परेशान है। भाजपा पार्षद दल ने महापौर जी से कहा कि भीषण गर्मी में टैंकरों की संख्या पर्याप्त हो इसकी अभी से पूरी तैयारी कर ली जावे क्योंकि पिछले गर्मी में नगर निगम टैंकरों से जलापूर्ति में विफल रहा था। नेताप्रतिपक्ष ,उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि करोड़ो रू जलकार्य के लिए स्वीकृत होने के बाद भी अगर शहर की जनता को पेयजल उपलब्ध नही करा पाये तो फिर भाजपा पार्षद दल सड़क की लड़ाई लड़ेगा।

भाजपा पार्षद दल ने महापौर से यह जानना चाहा कि लगभग 75 लाख रू डस्टबीन खरीदी के लिए स्वीकृत हुए है जिसमें से लगभग 50 लाख रू के डस्टबीन की खरीदी काफी समय पूर्व हो चुकी है .और इस डस्टबीन के लिए मे.गोडरीवाल प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड क तीन अलग-अलग किस्तों मे 48,98,656 रुपये का भुगतान भी हो चुका है.डस्टबीन का वितरण आज पर्यन्त तक वार्डो में नही हुआ है तो क्या इस डस्टबीन को जमीन खा गई या फिर आसमान निगल गया है ? किस वजह से पूर्ण भुगतान होने के बावजूद भी जनता को डस्टबीन का वितरण नही किया गया है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर होगा मंथन

रायपुर। छत्तीसगढ़ समाज शास्त्रीय एसोसिएशन द्वारा अपने पहले वार्षिक सम्मेलन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। यह प्रथम वार्षिक सम्मेलन वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति विषय पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें मेजबान छत्तीसगढ़ सहित देशभर के विद्वान, शोधार्थी, प्राध्यापकगण शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। यह जानकारी छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन (सीजीएसए) की अध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा और सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल ने दी। उन्होंने बताया कि आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण पूरी दुनिया के देशों के विकास की प्रक्रिया में केंद्रीय मुद्दा है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से 28 और 29 जून 2024 को सीजीएसए अपना पहला वार्षिक सम्मेलन उक्त विषय पर आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य की जनजातियाँ, वैश्विक समाज में महिलाओं की बदलती स्थिति, आदिवासी महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव, आदिवासी महिलाओं के मुददे और चुनौतियाँ, बहुसांस्कृतिकवाद और आदिवासी महिलाएँ, आदिवासी महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे विषयों पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किये जाएंगे। तथा विषय विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन की सफलता के लिए आयोजन समिति का भी गठन किया गया है.

कमल विहार के मकान से नकदी और सोना-चांदी पार

रायपुर। टिकरापारा इलाके में कल रात एक मकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर आधी रात घर के अंदर से सोना चांदी के जेवर, नगदी कुल 77 हजार की चोरी कर ले गया। एम के पौराणिक ने थाना जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि वह कमल विहार सेक्टर 4 सी में परिवार के साथ रहता है। रविवार को घर के सभी सदस्य रात में खाना खा कर अपने कमरों में आराम कर रहे थे। इस दौरान रात 3-4 बजे के आसपास कोई अज्ञात चोर घर का दिवार फांदकर कमरे के अंदर प्रवेश का आलमारी में रखे सोना,चांदी के जेवर और नगदी कुल 77500 रूपए की चोरी कर ले गया। पौराणिक ने बताया कि सुबह जब आंख खुली तो देखा की कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी खुली हुई थी, और उसमें रखा नगदी जेवर नहीं था। चोरी की घटना से घर में अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ भी की गई। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ 457, 380 का अपराध दर्ज किया है। वहीं आसपास के लोगों से पूछताछ कर पास लगे सीसीटीव्ही कैमरा फुटेज का अवलोकन कर पतासाती की जा रही है।

जबलपुर-दुर्ग-जबलपुर समर स्पेशल ट्रेन यात्रियों की कमी के चलते रद्द

रायपुर (असं)। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा आपर्याप्त यात्रियों कारणों से जबलपुर से 20 मई से 17 जून तक (5 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल एवं दुर्ग से 21 मई से 18 जून 2024 तक (5 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01702 दुर्ग-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन रद्द करने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/रेल मदद 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर यात्रा करें।

नीट पीजी परीक्षा जून महीने में

रायपुर। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) पीजी के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।आवेदन में हुई गलती को अभ्यर्थी 16 मई तक सुधार सकते हैं।आवेदन में नाम, राष्ट्रीयता, ईमेल और मोबाइल के अलावा किसी भी जानकारी को बदला जा सकता है। नेशनल बोर्ड ऑफ एजुकेशन इन मेडिसिन साइंस (एनबीईएमएस) की ओर से यह परीक्षा जून में आयोजित की जाएगी। इसके परिणाम 15 जुलाई को जारी होंगे। जानकारी के अनुसार मेडिकल कालेजों के पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए नीट पीजी का आयोजन किया जाता है। छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर व भिलाई तीन जगहों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं देशभर में नीट पीजी के लिए 259 परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। पिछली बार नीट पीजी के लिए 209030 छात्रों ने आवेदन किया था। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के छह सरकारी व दो निजी मेडिकल कालेजों में पीजी की कुल 405 सीटें हैं। इनमें 291 सरकारी और 114 निजी मेडिकल कालेजों की सीटें हैं। विस्तृत जानकारी natboard.edu.in या nbe.edu.in पर देख सकते हैं।

सनातन को पुनर्स्थापित करने का काम सबको करना होगा

रायपुर। दुनिया में सनातन के मान सम्मान का सबसे बड़ा योगदान आदि गुरु शंकराचार्य का है. 8 वर्ष की उम्र में ही उन्हें सभी वेदों का ज्ञान हो गया था, और उसके बाद उन्होंने पूरे देश का भ्रमण कर चार पीठों की स्थापना की. ये वो दौर है जिसमें वास्तव में सनातन का पुनरुद्धार हुआ था. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने ये बातें रविवार को रायपुर के शहीद स्मारक में छत्तीसगढ़ सनातन दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा आयोजित आदि गुरु शंकराचार्य जयंती कार्यक्रम में कही. उन्होंने कहा कि हम सबको सनातन पर विचार करने की आवश्यकता है. आज जब हम आदि गुरु शंकराचार्य का अवतरण दिवस मना रहे हैं, उन्होंने जिन उद्देश्यों को लेकर अपने जीवन को समर्पित किया. पूरे देश का भ्रमण किया. आज उनके किए हुए काम को और आगे बढ़ाने की जरूरत है. आज सनातन का जो स्वरूप होना चाहिए था, आदि गुरु शंकराचार्य सनातन का जैसा स्वरूप चाहते थे, वह स्वरूप आज भी नहीं आया है, इसलिए उनके कामों को आगे बढ़ाने का काम हम सबको करना पड़ेगा. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, आदि गुरु शंकराचार्य ने जो रास्ता दिखाया है, आज उस पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है. उन्होंने इतने कम समय में बड़ा काम किया है.

ईश्वर ने माँ को अपने ही स्वरूप में गढ़ा है

रायपुर। अन्तर्राष्टीय मातृ दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। विषय था- स्वस्थ एवं सुखी परिवार में माताओं की भूमिका।

समारोह में बोलते हुए ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि परिवार में घर परिवार को व्यवस्थित रखने और सभी सदस्यों की सुख सुविधाओं का ख्याल रखने में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके साथ ही धन का सही ढंग से इस्तेमाल करना उसी पर निर्भर करता है। लेकिन परिवार में माताओं को वह सम्मान नहीं मिल पाता है जिसकी वह हकदार होती है। लोग समझते हैं कि महिलाएं कुछ नहीं करती हैं जबकि पति और बच्चों का व्यवहार उसके साथ कैसा भी हों वह सबका बराबर ध्यान रखती है। बदले में वह किसी से कुछ नहीं मांगती है। माताओं का बहुत बड़ा त्याग यह है कि वह अपना सारा जीवन पति, बच्चों और घर परिवार की चारदिवारी में कैद होकर व्यतीत कर देती है। वह बच्चों को सुसंस्कारित कर लायक बनाती है। दिशा स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रिचा साव ने कहा कि परिवार में सबकी देखभाल माताएं करती हैं।

मेरी नजर में माताएं माना ही देखभाल करने वाली। कोई भी व्यक्ति जो कि देखभाल कर रहा है वह माँ की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन के लिए भौतिक शिक्षा के साथ ही अध्यात्मिक शिक्षा भी जरूरी है। स्वस्थ मन से ही स्वस्थ शरीर और सुखी परिवार का निर्माण हो सकता है।

राज्य में मशरूम लेडी के रूप में पहिचानी जाने वाली श्रीमती नम्रता यदु ने संघर्ष को जीवन का हिस्सा बतलाते हुए कहा कि कदम-कदम पर कठिनाईयाँ आती हैं लेकिन हमें उसे जीवन का हिस्सा समझकर आगे बढना चाहिए। हमें कठिनाईयों से डरना नहीं चाहिए। जो भी समय ईश्वर ने हमें दिया है उसका लाभ उठाना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संस्थान में जो अध्यात्म के द्वारा आत्मा और परमात्मा की शिक्षा दी जाती है वह हमें जीवन को अच्छी तरह जीने के लिए प्रेरित करती है। रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि माँ शब्द सबसे अधिक प्यारा होता है। वह जगत जननी है।

सुरजीत पातर प्रतिरोध के कवि थेः गिरीश पंकज

पंजाबी के प्रख्यात कवि सुरजीत पातर का आज राजकीय सम्मान के साथ पंजाब में अंतिम संस्कार किया गया । पंजाबी चैनल पीटीसी में उनकी अंतिम यात्रा का सीधा प्रसारण किया। एक साहित्यकार को इतना सम्मान मिले यह स्मरणीय घटना है। उनकी स्मृति में भाषा संगम, रायपुर ने कल संध्या गुरु तेग बहादुर भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, जहां मुख्य वक्ता के रूप में साहित्यकार गिरीश पंकज को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने सुरजीत पातर के साहित्यिक अवदान पर विस्तार के साथ प्रकाश डालते हुए कहा कि सुरजीत पातर प्रतिरोध के कवि थे । अन्याय के विरुद्ध उन्होंने कलम चलाई । उन्होंने विश्व के अनेक महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं का पंजाबी में अनुवाद किया। वह सिर्फ पंजाबी के नहीं, भारतीय साहित्य के महत्वपूर्ण रचनाकार थे। उनके जाने से भारतीय साहित्य की क्षति हुई है। मुख्य वक्ता ने उनकी कुछ क्रांतिकारी कविताएं भी सुनाई। कार्यक्रम का संचालन भाषा संगम के संयोजक मनमोहन सिंह सैलानी ने किया। आभार प्रदर्शन अमरीकसिंह चहल ने किया । सुरजीत पातर के लिए अरदास किया दलेर सिंह रंधावा ने। इस अवसर पर सरदार त्रिलोचन सिंह काले, सरबजीत सिंह चंडोक, गुरमुख सिंह,हरकिशन सिंह बल्लू, ज्ञानी बलजिंदर सिंह, गुरमीत सिंह, चरणपाल सिंह एवं सरदार रघुवीर सिंह आदि उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.